JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग
केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com
जनमार्ग
निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक
आज का मौसम
अधिकतम : 36
न्यूनतम : 19
हवा में नमी : 59
वर्ष : 66 ● अंक: 115 ● श्रीगंगानगर, सोमवार, 24.03.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

जस्टिस यशवंत वर्मा को न्यायिक जिम्मेदारियों से हटाया

● जस्टिस वर्मा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन ● दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया सर्कुलर

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने सोमवार को एक अहम फैसला लेते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा को तत्काल प्रभाव से सभी न्यायिक जिम्मेदारियों से हटा दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उनके आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की बात सामने आई है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के निर्देश के बाद दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने लिया है। दरअसल, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया था कि जस्टिस यशवंत वर्मा को तब तक कोई भी न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। जब तक इस मामले में कोई फैसला नहीं आ जाता है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने शनिवार को एक तीन सदस्यीय इन-हाउस जांच समिति गठित की। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश अनु शिवरामन को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की संस्तुति मिलने पर दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से सोमवार को एक आधिकारिक सर्कुलर जारी किया गया। इसमें कहा गया है हाल की परिस्थितियों को देखते हुए, माननीय श्री यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाता है, जब तक अगला आदेश न आ जाए। इससे पहले खबर थी कि सोमवार के लिए दिल्ली हाई कोर्ट की कॉजलिस्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा को कोर्ट में मामलों की सुनवाई के लिए डिवीजन बेंच नंबर-3 के प्रमुख के रूप में दिखाया गया है। हालांकि अब कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि जस्टिस वर्मा किसी भी सुनवाई में शामिल नहीं होंगे। जस्टिस वर्मा तब चर्चा में आए जब 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे दिल्ली के तुगलक रोड स्थित उनके आधिकारिक आवास में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने तेजी से पहुंचकर आग पर काबू पाया। माना जा रहा है कि बचाव अभियान के दौरान फ़ायरमैन और संभवतः पुलिस कर्मियों को स्टोर रूम में बड़ी मात्रा में नकदी मिली, जिनमें कुछ नोट जले हुए भी थे। उस समय जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी भोपाल में मौजूद थे। 20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से जस्टिस वर्मा को उनके मूल कोर्ट यानी इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की सिफारिश की। हालांकि कॉलेजियम के दो सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल ट्रांसफर ही पर्याप्त नहीं है। इस मामले की निष्पक्ष आंतरिक जांच भी होनी चाहिए। ताकि लोगों का न्यायिक प्रणाली पर विश्वास बना रहे।

हिंसा के मुख्य आरोपी के घर चला बुलडोजर

जनमार्ग न्यूज

मुंबई। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुई नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। नागपुर नगर निगम ने उसे खुद से अवैध निर्माण हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था, जो आज पूरा हो गया। नागपुर के संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में स्थित यह मकान फहीम खान की पत्नी के नाम पर है। नगर निगम ने बिल्डिंग प्लान अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर नोटिस जारी किया था। दरअसल, औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज हुआ है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। फिलहाल फहीम पुलिस हिरासत में हैं। इससे पहले 21 मार्च को फहीम खान ने जमानत के लिए सेशंस कोर्ट में याचिका लगाई थी। फहीम ने दावा किया कि उसे राजनीतिक प्रतिशोध के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि उसने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फहीम खान को दंगा और आगजनी की घटनाओं के दो दिन बाद 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

आइएएस व आइपीएस हाईकोर्ट में तलब

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पांच अलग-अलग मामलों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी और भारतीय पुलिस सेवा के चार अधिकारियों को तलब किया है। कोर्ट ने डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी में कर्मचारी भर्ती रद्द करने के मामले में राज्यपाल के प्रमुख सचिव को 27 मार्च को तलब किया है। वहीं नाबालिगों की तलाश नहीं कर पाने के मामलों में बारां व धौलपुर पुलिस अधीक्षक को 7 अप्रेल, झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक को 8 अप्रेल तथा डीग पुलिस अधीक्षक को 9 अप्रेल को तलब किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी में कनिष्ठ लिपिक व चतुर्थ श्रेणी भर्ती-2021 के चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे रद्द करने के मामले में राज्यपाल के आदेश से 3 सदस्य जांच कमेटी बनाई गई, लेकिन दो साल बाद भी जांच कमेटी ने न रिपोर्ट पेश की और न ही उसकी बैठक हुई।

शिमला में इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका पैसेंजर विमान

❑ विमान में सवार थे डिप्टी सीएम व डीजीपी

जनमार्ग न्यूज

शिमला। हिमाचल के शिमला में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। दिल्ली से शिमला आए एलायंस एयर के एटीआर विमान को तकनीकी खराबी आने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पढ़ा। बताया गया है कि लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम नहीं हुई थी। एलायंस एयर का 42 सीटर विमान दिल्ली से सुबह शिमला आता है। विमान में क्रू मेंबर्स समेत 44 यात्री थे। यह फ्लाइट दिल्ली से शिमला, शिमला से धर्मशाला, धर्मशाला से शिमला और शिमला से शाम को वापस दिल्ली जाती है। फिलहाल अगली तीनों फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं। डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि रनवे शॉर्ट पड़ गया या फिर लैंडिंग में दिक्कत आई। अचानक जोरदार तरीके से ब्रेक लगाई। इसके बाद उसे पॉइंट पर रोका गया। करीब 20-25 मिनट हम प्लेन में ही रहे। हमें कहा कि टैक्सी बुलाकर आपको वहां पहुंचाएंगे, लेकिन बाद में प्लेन को ही पीछे पार्क किया

इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों का प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुआई में सोमवार को जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों ने प्रदर्शन देशभर में बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर छात्र संगठन संसद मार्च निकाल रहे हैं। छात्र संगठन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), नियुक्तियों पर यूजीसी के प्रस्तावित दिशा-निर्देशों को वापस लेने और छात्र संघों की बहाल करने की की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है और सरकार इस मुद्दे पर चुप है। राहुल बोले हम छात्र हितों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस देश के एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा है और आने वाले वक्त में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।

दोबारा होगा 12वीं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का पेपर

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के कॉमर्स संकाय में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विषय की परीक्षा दोबारा होगी। बोर्ड परीक्षा की नई तिथि शीघ्र घोषित करेगा। प्रश्न-पत्र निर्माण में लापरवाही बरतने वाले पेपर सेंटर के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि शनिवार 22 मार्च को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा वाणिज्य वर्ग में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का पेपर था। प्रश्न-पत्र बनाने वाले पेपर सेटर की लापरवाही से प्रश्न-पत्र पूर्व पैटर्न के अनुसार ही बना दिया गया। जबकि इस वर्ष बोर्ड भिन्न पैटर्न पर परीक्षा ले रहा है। बोर्ड प्रशासन ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए 12वीं कॉमर्स के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का पेपर दोबारा कराने का निर्णय लिया है। शर्मा ने बताया कि संबंधित पेपर सेटर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड प्रशासन अब आगामी परीक्षाओं को लेकर संवेदनशील है। प्रश्न-पत्र के स्वरूप को लेकर पैनी निगाहें बनाए हुए हैं। बोर्ड ने यह भी कहा है कि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विषय की परीक्षा के लिए नई तिथि जल्द घोषित की जाएगी। सभी विद्यार्थियों को नई परीक्षा तिथि के बारे में सूचित किया जाएगा ताकि वे पुनः परीक्षा में भाग ले सकें। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने जानकारी दी कि 22 मार्च (शनिवार) को आयोजित 12वीं कक्षा वाणिज्य वर्ग के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पेपर में लापरवाही से संबंधित एक मामला सामने आया है। पेपर सेटर की लापरवाही के कारण यह पेपर पिछले वर्षों की तरह तैयार हो गया।

लेपर्ड ने 2 लोगों पर हमला बोला

जनमार्ग न्यूज

जालोर। रिहायशी इलाके में घुसे लेपर्ड ने महिला सहित 2 लोगों पर हमला बोल दिया। दोनों को लहूलुहान स्थिति में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उधर, हमले की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने लेपर्ड को एक कमरे में बंद कर दिया है। जोधपुर से रेस्क्यू टीम के आने का इंतजार किया जा रहा है। मामला जालोर के नौसरा (आहोर) इलाके का है। 20 मिनट के अंदर लेपर्ड ने 2 लोगों को झपट्टा मारकर घायल कर दिया। पहली घटना सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई। नौसरा स्थित कोटड़ा गांव के रहने वाले चेलाराम (63) सरगरा पुत्र उदाराम सुबह खेत में अरंडी की फसल की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी की ओर से लेपर्ड आया। लेपर्ड ने चेलाराम के सिर पर पंजा मारा। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चेलाराम जोर-जोर से चिल्लाने लगे। इतने में लेपर्ड भाग गया। मौके पर पहुंचे परिवार वाले व ग्रामीणों ने चेलाराम को आहोर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया।

गैस चूल्हा जलाने वाले लाइटर के दम पर लूट

● नौ लाख 83 हजार की लूट हुई ● आठ लाख 7 हजार रुपए बरामद, आरोपी रिमांड पर

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। मुक्ता प्रसाद नगर क्षेत्र में हुई लूट में बदमाशों ने जिस पिस्टल के दम पर डराया-धमकाया था, दरअसल वो पिस्टल नहीं बल्कि गैस चूल्हा जलाने वाला लाइटर था। पुलिस ने आठ लाख रुपए, लूट में काम ली गई बाइक और इस लाइटर को भी बरामद कर लिया है। मुक्ता प्रसाद नगर थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लूट के इस मामले में गिरफ्तार दोनों युवकों से बरामदगी हो गई है। आठ लाख सात हजार रुपए नगठु बरामद किए गए हैं। ये राशि परिवादी मोहम्मद साजिद अपने बकाया ऋण को जमा कराने के लिए परिचितों से एकत्र करके लाया था। जिसे दो बदमाशों ने मिलकर लूट लिया। इस मामले में गिरफ्तार रामपुरा बस्ती निवासी सिमरान कायमखानी और समीर कायमखानी से बरामदगी की गई है। इनके पास एक पिस्टलनुमा लाइटर भी बरामद किया गया है। इसी से डरा धमकाकर साजिद से रुपयों की लूट की गई थी। ये पिस्टल सामान्य लाइटर है, जिससे गैस का चूल्हा जलाया जाता है। अचानक की गई लूट के दौरान साजिद भी इसे गौर से देख नहीं पाया। साजिद ने पुलिस को बताया था कि मकान का लोन चुकाने के लिए घर पर नौ लाख तिरासी हजार रुपये अपने जानकारों से लेकर आया था। इसी दौरान गुलफाम निवासी रामपुरा बस्ती बीकानेर का मुझे मोबाईल आया और उसने कहा कि उसके बैंक मे जानकार है जिनके माध्यम से आपके बैंक के लोन में छुट हो जायेगी। गुलफाम ने ही सिमरान व समीर को भेजकर कहा था कि उनके साथ मुझे बैंक जाना है। कुछ देर बाद एक मोटरसाइकिल पर मेरे घर पर सिमरान व समीर आये। इन्होने मुझे पूछा रुपया तैयार है। मैने कहा हां भरी और रुपए से भरा थैला उठाया तो समीर ने मुझे देसी कट्टा दिखाकर धमकाया। मुझ से रुपयों का थैला छीन लिया। धमकी दी कि यदि उनका पीछा किया तो वो गोली मार देंगे। इसके बाद समीर व सिमरान मेरे घर से नौ लाख तिरासी हजार रुपये मुझसे छीनकर अपनी मोटरसाइकिल पर भाग गये। इन नौ लाख 83 हजार रुपए में से पुलिस ने आठ लाख सात हजार रुपए बरामद किए हैं। बीस मार्च की इस घटना के अगले दिन ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया था लेकिन बरामदगी बाद में हुई।

विधानसभा सेशन में हुआ हंगामा

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के बजट सत्र का आज (24 मार्च) दूसरा दिन है। सदन में कांग्रेस के नेता और सीएलपी नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार ने तीन साल में 52 हजार लोगों को नौकरी दी है। हम इस मुद्दे पर विधानसभा में व्हाइट पेपर लाने की मांग करते हैं। साथ ही, यह भी मांग की जा रही है कि जिन लोगों को नौकरी दी गई है, उनके नाम, पते और विभागों की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट किया जाए कि इनमें कितने पंजाबी और कितने गैर-पंजाबी हैं। वहीं, भाजपा विधायक अश्वनी कुमार ने नशा मुक्ति के मुद्दे को शून्य काल में उठाया है। प्रश्नकाल के दौरान ट्रांसपोर्ट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि उनके 92 विधायकों को भी टीवी पर आने का मौका दिया गया है। हालांकि, स्पीकर ने कहा कि केवल सदन से जुड़े प्रश्न ही पूछे जाएं।

टाटा गाड़ी और बाइक की टक्कर में 2 की मौत

❑ हादसे में एक युवक घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। नोहर से रावतसर आ रही टाटा गाड़ी की टक्कर नोहर की ओर जा रही बाइक से हो गई। घटना रावतसर थाना क्षेत्र के गांव बुधवालिया बस स्टैंड के पास रविवार शाम 6 बजे हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि हादसे में बाइक सवार तीन लोग गम्भीर घायल हो गए। रावतसर एसएचओ रामचंद्र कस्वां इलाके की गश्त में थे। इसी दौरान घटना की सूचना मिली, तो टीम सहित खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अपनी गाड़ी में सभी घायलों को तुरंत रावतसर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद नोहर निवासी गोलू (16) को मृत घोषित कर दिया गया। नोहर निवासी अंकित (22) की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां उसे भी मृत घोषित कर दिया। बाइक पर सवार तीसरे युवक मुकद्दर (25) का रावतसर अस्पताल में इलाज चल रहा है। रावतसर पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। रावतसर पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदाता सूची में लिंगानुपात सुधार पर की चर्चा

● जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित ● मतदाता जनसंख्या अनुपात में सुधार पर चर्चा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची में लिंगानुपात सुधार सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त सभी राजनैतिक दलों द्वारा बीएलए प्रथम की नियुक्ति करते हुए इसकी सूचना जल्द से जल्द उपलब्ध करवाई जाये। राजनैतिक दल के संबंधित पदाधिकारी बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करते हुए उनकी सूचना ईआरओ के माध्यम से भिजवायें ताकि उक्त सूचना निर्वाचन विभाग को प्रेषित की जा सके। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदान प्रतिशत में सुधार, मतदाता सूची में लिंगानुपात और मतदाता जनसंख्या अनुपात में सुधार हेतु भी चर्चा की गई। साथ ही राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हेतु सुझाव और उनसे जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी, दिशा-निर्देश से अवगत करवाते हुए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि वे मतदाता सूची को अद्यतन करते हुए त्रुटि रहित बनाने में सहयोग करें। साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाये ताकि कोई भी पात्र मतदाता बनने से वंचित न रहे। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी विभिन्न सुझाव देते हुए अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी रणजीत कुमार, भाजपा से प्रदीप धेरड़, आईएनसी से भीमराज डाबी, मुकेश मिढ्ढा, नीरज ठकराल, सीपीआईएम से विजय कुमार रेवाड़, बीएसपी से भजनसिंह घारू सहित अन्य मौजूद रहे।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083, 76657-85893 पर देवें। E-mail: dainikjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

तीसरा प्रमुख कारण

पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हो रही है। जिस वायु को हम प्राणदायिनी मानते हैं, वही प्राण लेने लगे तो इसकी वजह क्या है, यह जानने की कोशिश हम नहीं करते। वायु प्रदूषण कितना घातक है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि प्रदूषक तत्त्व हर क्षण हमारे शरीर के भीतर जा रहे हैं और हमारी रक्त धमनियों से होते हुए शरीर के सभी महत्त्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं। इसका किस कदर दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कई अध्ययन सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार वायु प्रदूषण के प्रति आगाह किया है। वैश्विक स्तर पर मौत का यह तीसरा प्रमुख कारण है। बावजूद इसके, दुनिया के ज्यादातर और विशेष रूप से कुछ बड़े देश लापरवाही बरत रहे हैं। प्रदूषण का असर फेफड़े और सांस संबंधी बीमारियों तक सीमित नहीं है। दिल्ली में पिछले दिनों स्वास्थ्य पर आयोजित एसोचैम के सम्मेलन में आगाह किया गया कि प्रदूषण से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ रहा है। वायु गुणवत्ता और प्रदूषण के बीच संतुलन की लकीर खींचते हुए हम अभी तक फेफड़े पर बढ़ते दबाव को लेकर ही चिंतित रहे हैं, लेकिन इसका हृदय पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कभी ध्यान नहीं गया। वायु गुणवत्ता पर जोर देते समय हमें अब हृदय स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहना होगा, क्योंकि वायु प्रदूषण के दौरान घातक सूक्ष्म कण निरंतर रक्त प्रवाह में शामिल होते रहते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि ये कोलेस्ट्राल को आक्सीकृत कर देते हैं, जिससे धमनी पट्टिका के फटने की स्थिति पैदा हो जाती है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। अगर जीवन प्रत्याशा को कम होने से बचाना है, तो वायु प्रदूषण की चुनौतियों से जमीनी स्तर पर लड़ना होगा। बेहतर होगा कि लोग विलासिता को त्याग कर प्रकृति से जुड़ें। विशेषज्ञ आए दिन इस संदर्भ में चेताते रहे हैं, लेकिन सवाल है कि इस गहराती समस्या का हल क्या है। जब तक इस समस्या के दूरगामी और स्थायी समाधान के व्यावहारिक रास्ते नहीं सुझाए जाते, तब तक केवल समस्याओं की पहचान का कुछ ठोस हासिल नहीं होगा।

ऐतिहासिक तथ्य छिपाने के प्रयास

सवाल यह है कि चार सदी के बाद औरंगजेब भारतीय राजनीति, मीडिया या जनता में विवाद का विषय क्यों बन गया या बना दिया गया है? इस विवाद को लेकर कुछ सवाल उठाए जा रहे हैं कि औरंगज़ेब हिन्दुओं पर जुल्म ढाने वाला बादशाह था। उसकी हुकूमत की नीतियां भेदभावपूर्ण और अन्याय पर आधारित थीं, सम्मान और आदर की पात्र कैसे हो सकती हैं? दूसरी बात, औरंगजेब की नीतियों की खिलाफत करने वालों का यह सवाल क्या वाजिब नहीं लगता कि जो बहुसंख्यक हिन्दुओं पर ताजिंदगी जुल्म ढाता रहा और उन्हें अपने मजहब का हिस्सा बनने के लिए मजबूर करता रहा, उसे सर्वधर्म समभाव वाला बादशाह कैसे माना जा सकता है?

औरंगजेब यानी अबुल मुजफ्फर मुहिउद्दीन मोहम्मद मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। महाराष्ट्र के संभाजी नगर में उसकी कब्र को उखाड़ फेंकने और उसकी पचास साल की हुकूमत को बेहतरीन बताने वालों के बीच चर्चा जोरों पर है। इतिहास के मुताबिक औरंगजेब ने 17वीं सदी में करीब पचास सालों तक भारत में शासन किया। उसके शासन में भारतीय समाज का वह वर्ग खुश था जो उनके शरिया वाली नीतियों को मानने वाले थे। लेकिन दूसरा वर्ग जो हिन्दुओं का था, वह उसकी भेदभाव, जुल्म, अन्याय और शोषण का पचास सालों तक शिकार रहा। इतिहाकारों के मुताबिक वह दोहरी नीति पर इसलिए चल रहा था कि जिससे उसका वह मकसद पूरा हो जाए कि ज्यादातर हिन्दू उसकी क्रूर नीतियों, बर्बताओं और पाशविक बर्बताओं से तंगकर या डर कर उसके मजहब के हिस्सा बन जाएं। अपने साम्राज्य को बढ़ाने के लिए उसने वे नीतियां अपनाईं जो गैरइंसानी थी।

सवाल यह है कि चार सदी के बाद औरंगजेब भारतीय राजनीति, मीडिया या जनता में विवाद का विषय क्यों बन गया या बना दिया गया है? इस विवाद को लेकर कुछ सवाल उठाए जा रहे हैं कि औरंगजेब हिन्दुओं पर जुल्म ढाने वाला बादशाह था। उसकी हुकूमत की नीतियां भेदभावपूर्ण और अन्याय पर आधारित थीं, सम्मान और आदर की पात्र कैसे हो सकती हैं? दूसरी बात, औरंगजेब की नीतियों की खिलाफत करने वालों का यह सवाल क्या वाजिब नहीं लगता कि जो बहुसंख्यक हिन्दुओं पर ताजिंदगी जुल्म ढाता रहा और उन्हें अपने मजहब का हिस्सा बनने के लिए मजबूर करता रहा, उसे सर्वधर्म समभाव वाला बादशाह कैसे माना जा सकता है? इतिहास में दर्ज उसके कार्यों, हिन्दुओं से बर्बर बर्ताव, उसकी नृशंस हिन्दू विरोधी नीतियों, मंदिरों को तोड़कर उनके ऊपर मस्जिद बनवाने और हिन्दुओं पर ही आपत्तिकारी टैक्स जबरन लगाने जैसे तमाम राजकीय फरमानों और उसकी गैर इंसानी कवायदें क्या यह नहीं बताती कि वह किसी भी कौम के लिए आदर या सम्मान का पात्र नहीं हो सकता है? जो लोग उसे अपना आदर्श या आइकॉन इसलिए बता रहे हैं कि उसने एक सच्चे मजहबी मुस्लिम की तरह शासन किया, सरिया कानून बेधड़क लागू कर गैर हिन्दुओं के लिए तरह-तरह की समस्याएं पैदा की, उनकी मानसिकता को समझा जा सकता है। चर्चा यहीं नहीं रुकती है बल्कि ऐसे तमाम विवादित मुद्दों व औरंगजेब की प्रासंगिकता को लेकर कोर्ट में याचिका भी दायर की गई है। उसने सिक्कों पर कलमा खुदवाया। हिन्दुओं के पर्व-त्योहारों पर सख्ती के साथ रोक लगा दी। उसने युद्धबंदियों, राजनीतिक कैदियों और किसी भी ऐसे व्यक्ति को यातना देने और मारने में संकोच नहीं किया जिसे गैर-इस्लामी मानता था। अपनी बेटी जेबुन्निसा को 20 साल तक कैद में रखा। गुरु तेग बहादुर का बर्बरता से सिर कलम करवा दिया और अपने अब्बाजान को कैद में रख अपने सभी भाइयों को मरवा दिया। ये उसकी जिंदगी के कुछ सच हैं जो हम इतिहास में पढ़ते हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह तो चार सदी पहले मरा था, अब उसके बारे में विवाद या उसके हर कवायद का विरोध या खैरमकदम करने का औचित्य क्या है? इसके लिए हमें इतिहास खगालने की जरूरत है। इतिहासकारों के मुताबिक वह नेकदिल इंसान कतई

नहीं था। इतिहासकार जदुनाथ सरकार मानते हैं कि वह एक बेहद कट्टरवादी मुस्लिम बादशाह था जो अपनी भेदभावपूर्ण नीतियों की वजह से प्रजा को कभी खुश नहीं कर पाया। जबकि इतिहासकार शिब्ली नोमानी का मानना है कि उसके फैसले राजनीतिक हुआ करते थे।

औरंगजेब के नाम पर देशभर में सड़कें, मकबरे और इमारतें हैं। आजादी के बाद विदेशी शासकों के शासन और उनके कार्यों का बखान मीडिया के जरिए ही नहीं बल्कि किताबें लिखकर भी किया गया। लेकिन भारतीय हिन्दू राजाओं के प्रजा के हित और किए गए ऐतिहासिक कार्यों को लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। केंद्र की नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद इतिहास की इस भेदभावपूर्ण नीति की जगह निष्पक्ष मूल्यांकन के जरिए कई ऐसे विवादित विषयों, मुद्दों और कार्यों को गम्भीरता से समझा ही नहीं गया बल्कि उस सच को भी आगे किया गया जो जानबूझ कर दबाए गये थे।

दरअसल, औरंगजेब पर विवाद इसलिए गहराया कि जो पक्ष इसकी हुकूमत को गैरइंसानी मान रहा है जिसमें इतिहास की सच्चाइयां भी शामिल हैं, उसे किसी भी जगह भारत में तवज्जो देने के खिलाफ है? हमें क्या यह गौर नहीं करना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियां क्रूर हुकूमतदारों की हुकूमतों को क्यों पढ़े? उससे उन्हें क्या हासिल होगा? मुगलिया सल्तनत ने भारत पर छह सदी तक हुकूमत की। इनमें कई ऐसे बादशाह हुए जिसे इतिहास के पन्नों में बर्बर शासक का काल, तो कुछ को नेकदिल इंसान लिखा गया है। इन्हीं बर्बर बादशाहों में औरंगजेब भी एक था। सोशल मीडिया में सवाल यह उठाया जा रहा है कि औरंगजेब किसी कौम के लिए आदर और सम्मान का पात्र क्यों माना जाना चाहिए? यदि संभाजी नगर में बनी उसकी मजार को हटाने की मांग हिन्दू संगठन कर रहे हैं तो उसमें गलत क्या है? यदि भाजपा भारत को एक आदर्श देश के रूप में निर्मित करना चाहती है तो ऐसे मुद्दों को सलीके से हल करने की जरूरत है या आंदोलन के जरिए?

भाजपा का मानना रहा है कि वह भारत के एक सौ चालीस करोड़ लोगों की पार्टी है। पिछले दस सालों में उसकी नीतियां इस बात की गवाह भी हैं कि उसने जो नीतियां जनता के हित में लागू कीं वे सभी बगैर किसी भेदभाव के लागू कीं। इसलिए यदि औरंगजेब के बचाव के नाम पर औरंगजेब को एक नेकदिल इंसान साबित करने और उसके पक्ष में नारे लगाने जैसी कवायदें की जाती हैं तो इसे क्या इंसानियत को तार-तार करने वाले बादशाह को क्लिनचिट देने जैसा नहीं है? दरअसल, औरंगजेब के बहाने इतिहास की पड़ताल पहली बार की जा रही है। इसमें किसी को साम्प्रायिकता ढूंढने की जरूरत क्यों पड़ रही है? फिर यह सवाल आज भी मौजूं है कि यदि अकबर महान है तो महाराणा प्रताप महान क्यों नहीं? जो इसी भारत की माटी के लाल और स्वाभिमानी राजा थे। बड़ा सवाल यह है कि जिस तरह से एक-एक कर बर्बर हुकूमतदारों के हुकूमतों की पड़ताल नये सिरे से की रही है, क्या उसे किसी खास कौम के हुकूमतदार होने की वजह से उनके पक्ष में बचाव के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा देना चाहिए? या खिलाफत इस कदर होनी चाहिए जिससे यह विश्व मीडिया में सबसे विवाद या फसाद का मुद्दा बन जाए जो देश की अस्मिता या केंद्र की शासन व्यवस्था की सर्वहितकारी नीतियों पर ही सवाल उठने लगे? मेरा मानना है कि मजार, कब्र, मकबरे या इस तरह की जितनी भी जगहें हैं और जो किसी खास व्यक्ति से जुड़ी हैं तो उस पर राजनीति न होकर या चर्चा का विषय न बनाकर उसे कानून के मुताबिक हल किया जाना चाहिए। यदि अयोध्या, 370 जैसे मामले कानून के जरिए हल किये जा सकते हैं तो औरंगजेब या दूसरे इतिहास के बदनाम शख्सियतों पर उठने वाले सवाल भी हल किये जा सकते हैं।

'टीबी मुक्त भारत' के लक्ष्य को पूरा करने की चुनौती

वर्ष-2030 तक भारत को संपूर्ण रूप से टीबी की बीमारी से मुक्ति का प्रण लिया गया है। उस निर्धारित अवधि में अभी 6 वर्ष शेष हैं। अभियान फिलहाल जिस अंदाज से जारी है, उससे प्रतीत होता है कि लक्ष्य आसानी से पूरा नहीं होगा। तत्कालीन हेल्थ मिनिस्टर मनसुख मावडिया ने पिछले साल 2024 को आज ही के दिन अभियान से जुड़े चिकित्सकों को एक टारगेट सौंपा था जिसकी समीक्षा उन्हें 2025 को विश्व टीवी दिवस पर करनी थी। फिलहाल उनकी जगह चिकित्सकों से वह रिपोर्ट मौजूदा हेल्थ मिनिस्टर जेपी नड्डा लेंगे। भारत में 'राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण' कार्यक्रम की शुरुआत साल 1962 में हुई थी, लेकिन कोशिशें कछुए की चाल जैसी आगे बढ़ीं। इसी कारण 1985 के बाद भारत में तपेदिक जैसी बीमारियों की बाढ़ आई। मुकम्मल तौर पर बीमारी पर नियंत्रण पाना सन 2001 से आरंभ हुआ था, जो 2010 तक कुछ सफलता मिली। वैश्विक जागरूकता के लिए ही टीबी दिवस सालाना 24 मार्च को मनाया जाता है। इस रोग को चिन्हित सबसे पहले वैश्विक स्तर पर सन 1882 में किया गया। चिकित्सकों की रिसर्च ने टीबी के जीवाणु उसी दरम्यान खोजे थे। हालांकि, तब ये रोग आज की तरह जानलेवा नहीं आंका गया था। धीरे-धीरे टीबी की बीमारी ने चिकित्सकों की रिपोर्ट को भी पीछे छोड़ा और अचानक से घातक हुई। सन 1980 और 2000 का दौर टीबी बीमारी के नाम था। तब भारत में 26 लाख और पूरे विश्व में 1 करोड़ 80 लाख के आसपास लोगों की मौतें हुई थीं। इस आंकड़े ने संसार में कोहराम मचाया था। एक समय ऐसा था जब भारत में अन्य बीमारियों के मुकाबले टीबी सर्वाधिक थी। लेकिन प्रशंसा करनी होगी पूर्ववर्ती और मौजूदा केंद्रीय हुकूमतों की जिन्होंने समय रहते इस टीबी पर पार पाया। सालाना केंद्रीय बजट में 'टीबी मुक्त अभियान' के लिए मोटा बजट आवंटन किया जाता है। क्योंकि भारत में पोलियो के बाद दूसरी बड़ी बीमारी टीबी ही रही। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक टीबी की चपेट में सालाना पांच लाख अकाल मौतें होती हैं। सिलसिला अभी भी जारी है। इस बीमारी से लड़ने के लिए सरकारी कोशिशों के अलावा जन सहयोग की अति आवश्यकता है। हमारे यहां टीबी के संबंध में वही पुरानी उक्ति 'परहेज इलाज से बेहतर है' चरितार्थ होती है क्योंकि टीबी के संक्रमण का प्रभाव हर आदमी पर नहीं पड़ता, यानी जिनकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर है, वही टीबी की चपेट में आता है। शायद यही वजह है कि कुपोषण तथा पोषण तत्वों की कमी की वजह से गरीब और ग्रामीण आबादी टीबी से अधिक प्रभावित होती है। टीबी को लेकर सतर्कता इसलिए जरूरी है क्योंकि ये एक संक्रामक रोग है, जो बीमारी घेरने से पहले आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। टीबी दूषित खानपान, प्रदूषण और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर फैलती है। यह न केवल फेफड़ों, बल्कि शरीर के दूसरे हिस्से जैसे किडनी व दिमाग पर भी हमला करती है। इस पर काबू पाने के लिए पोलियो जैसी लड़ाई लड़नी ही होगी, वरना ये बीमारी यूं ही मुंह खोले खड़ी रहेगी। सामाजिक स्तर पर जनमानस को भी चेतना होगा। टीबी होने पर वैध-हकीमों के पास जाने के बजाय अस्पतालों में उपयुक्त इलाज कराएं। मौजूदा वक्त में प्रत्येक अस्पतालों में टीबी के लिए डॉट्स की व्यवस्था सुगम है। टीबी किसी को भी, किसी उम्र में हो सकती है। लेकिन समय पर ईलाज अगर हो, तो ये बीमारी शरीर का कुछ नहीं बिगाड़ सकती। टीबी से बचा कैसे जाए और इसका संक्रामक कितना घातक है, उसे बताने और समझाने के लिए ही 'विश्व टीबी दिवस' को आयोजित किया जाता है, ताकि इससे लोग विनाशकारी स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभाव के संबंध में जागरूक हो सकें। टीबी का मुख्य कारण तपेदिक माइकोबैक्टीरियम है जो कि एक छोटा, एरोबिक, चलने में अक्षम दण्डाणु है। वैसे, इस रोगजनक की उच्च लिपिड सामग्री उसकी अपनी अनूठी नैदानिक विशेषताओं के लिए ही जिम्मेदार है। भारत में राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान बेंगलुरु में है और 'राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान' चेन्नई में है जहां रोजाना टीबी पर नई-नई रिसर्च होती हैं। इस बीमारी के आंकड़े निश्चित रूप से अभी भी डरावने हैं। भारत 2023 और 2024 के बीच 25.5 लाख टीबी रोगियों और 26.07 लाख मामलों को अधिसूचित करने में सक्षम रहा, जो अब तक का सर्वाधिक है। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक टीबी रिपोर्ट-2024 में भारत में टीबी की घटना दर 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 से 2023 में प्रति लाख जनसंख्या पर 195 तक 17.7 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। केंद्र सरकार 2030 तक भारत को टीबी से मुक्त करे, जिसकी उम्मीद सभी लगाए बैठे हैं।

वार्ता से निकल सकता है हर समस्या का हल

वार्ता से प्रत्येक व्यक्ति का सरोकार है। जब मन में संदेह उपजे, हृदय अविश्वास से घिर जाए, मस्तिष्क में विचार न ठहरे, तब वार्ता से ही रास्ता निकलेगा। कोई भी विवाद हो, कैसी भी समस्या हो, फिर भी वार्ता से हल निकल सकता है। संबंधों में कितना भी ठहराव क्यों न आ जाए, लेकिन वार्ता के ताप से रिश्तों पर जमा बर्फ भी पिघल जाती है। वार्ता में शिथिलता के लिए केवल अहंकार दोषी होता है। किसी भी विध्वंस का कारण अंहकार ही रहा है। विश्व शांति की अवधारणा परस्पर संवाद पर ही टिकी है। संवादहीनता से कूटनीति और राजनीति अकेली पड़ सकती है। बातचीत चलती रहे तो विकल्प निकलने की संभावना बढ़ जाती है। चर्चाओं में तर्क, सुझाव और मतों का विभाजन होता रहता है। यह अनवरत प्रक्रिया है। जनता के मध्य निरंतर जनमत पर चर्चा चलती रहती है। लोक चर्चा और लोकमत से संसार की बड़ी समस्याओं पर सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते है। चर्चा या वार्ता को प्रोत्साहित करना उचित है। संवादहीनता को हतोत्साहित करना चाहिए। सभी द्वार भले ही बंद हो जाएं, लेकिन बातचीत का द्वार सदैव खुला रहे। लोग कहते हैं कि पैसों का काम पैसों से ही चलता है, बातों से नहीं। यह बात सच है कि बातों से कोई काम नहीं होता, काम तो काम करने से हो सकता है, लेकिन काम तभी हो सकता है, जब उस काम से पहले कोई विचार स्थिर हो। विचार स्थिर होगा तो उससे संबंधित बात पूरी हो सकेगी और बात होगी तो काम का आदेश होगा। काम का आदेश स्वयं या अन्य प्रकार का हो सकता है।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोलाः हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोलाः महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

पुरुषों को दोस्ती करने में क्यों होती है मुश्किल

सर्वे सेंटर ऑन अमेरिकन लाइफ में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, महिलाएं नए दोस्त बनाने में माहिर होती हैं। इसके साथ ही वे अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करती हैं, जिससे उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। वहीं, पुरुष अक्सर अपनी भावनाओं साझा नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें गहरे और मजबूत रिश्ते बनाने में कठिनाई होती है। जबकि हम सबको एक अच्छे दोस्त की जरूरत होती है, जो हमारे सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहे। अच्छी दोस्ती से हमें अपनापन और खुशी मिलती है, जिससे तनाव कम होता है। महिलाएं आमतौर पर इस बात को बेहतर समझती हैं। वहीं, पुरुषों के लिए भावनाएं साझा करना और अपनी कमजोरियां जाहिर करना मुश्किल होता है। क्या आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं? दोस्ती के कई गुण जैसे दोस्त का ख्याल रखना, भावनाएं साझा करना और बातचीत करना महिलाओं से ही जुड़े माने जाते हैं। सर्वे सेंटर ऑन अमेरिकन लाइफ में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, लगभग आधी महिलाएं अपनी भावनाएं दोस्तों से साझा करती हैं, जबकि पुरुषों में यह संख्या कम है। आइए इन कारणों को ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक दबाव- समाज में पुरुषों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आत्मनिर्भर, मजबूत और अपनी भावनाओं को छिपाने में माहिर हों। इस दबाव के कारण पुरुष रिश्तों के बारे में कम बोलते हैं। ऐसे में दोस्ती के गहरे स्तर तक नहीं पहुंच पाते हैं। उन्हें डर होता है कि अपनी भावनाओं या कमजोरियों को दिखाने से उनकी पुरुषत्व पर सवाल उठ सकता है। भावनाओं को छिपाने की आदत- पुरुषों को अक्सर यह सिखाया जाता है कि भावनाओं को कंट्रोल करना चाहिए और उन्हें दूसरों से नहीं साझा करना चाहिए। इस आदत के कारण वे अपनी भावनाओं को दबाते हैं और अक्सर दोस्ती में खुलेपन और ईमानदारी से काम नहीं कर पाते हैं। पुरुषों के प्लेटोनिक रिश्तों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। समाज में यह धारणा है कि पुरुषों में दोस्ती के रिश्ते सिर्फ बाहरी गतिविधियों तक ही सीमित रहते हैं। जैसे घूमना-फिरना, गप्पे लड़ाना, ड्रिंक्स शेयर करना आदि। अगर किसी पुरुष का अपने दोस्त से इमोशनल कनेक्शन बढ़ने लगे तो उसे कमजोर समझा जाता है। इस कारण से पुरुष भावनात्मक दोस्ती के रिश्तों से बचते हैं। पुरुषों में यह मानसिकता होती है कि उन्हें अपनी समस्याओं का हल खुद ही ढूंढना है। उन्हें किसी से मदद नहीं लेनी चाहिए। इस कारण वे अपने दोस्तों से भी मदद मांगने से कतराते हैं, जिससे दोस्ती में सहयोग और समर्थन की कमी रह जाती है। महिलाओं में इमोशंस को समझने और उन्हें जाहिर करने के गुण पुरुषों की तुलना में बेहतर होते हैं। विली ऑनलाइन लाइब्रेरी में पब्लिश्ड स्टडी के मुताबिक, महिलाओं में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा होता है, जिससे वे दोस्ती को बेहतर समझती हैं और ज्यादा महत्व देती हैं। महिलाओं को समाज में यह सिखाया जाता है कि वे अपनी भावनाओं और विचारों को साझा करें। ऐसे में वे अपने दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते बनाती हैं। महिलाओं के रिश्ते अक्सर इस आधार पर होते हैं कि वे एक-दूसरे के साथ अपनी खुशियां, दुख, मुश्किलें और कमजोरियां साझा करती हैं। पुरुषों को महिलाओं से यह सीखने की जरूरत है। महिलाएं दोस्तों के साथ अपनी परेशानियों पर खुलकर बातचीत करती हैं। इससे वे एक-दूसरे के साथ बेहतर तरीके से जुड़ पाती हैं। पुरुषों को भी इस आदत को अपनाना चाहिए, ताकि वे भी अपने दोस्तों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। महिलाएं एक-दूसरे की भावनाओं और कठिनाइयों को समझती हैं और साथ ही सहानुभूति दिखाती हैं। वे अपने दोस्तों के साथ समय बिताकर उनकी परेशानियों का समाधान ढूंढ़ने की कोशिश करती हैं। पुरुषों को भी अपनी भावनाओं को साझा करने और दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की आवश्यकता है, जिससे वे अपने रिश्तों में सहानुभूति ला सकें। महिलाएं अपनी कमजोरियों को स्वीकार करती हैं और दूसरों से मदद लेने में संकोच नहीं करतीं। इससे उनके रिश्तों में भरोसा और आत्मीयता बढ़ती है। ऐसे में पुरुषों को भी अपनी कमजोरियों को स्वीकारने की जरूरत है। महिलाओं के रिश्तों में अधिक खुलापन और सहजता होती है। समाज में उन पर अपनी भावनाओं को छिपाने दबाव नहीं होता है। पुरुषों को इस सामाजिक दबाव को तोड़ने की आवश्यकता है और यह समझने की जरूरत है कि भावनाओं को व्यक्त करना उनकी मर्दानगी को नहीं घटाता, बल्कि इससे वे मजबूत बनाते हैं। पुरुषों को अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को खुले दिल से अपने दोस्तों के साथ साझा करना चाहिए। इससे उनके बीच एक मजबूत भावनात्मक कनेक्शन बनेगा। इसकी शुरुआत छोटे कदमों से करें, जैसे किसी समस्या या व्यक्तिगत अनुभव पर बात करना, जिससे एक दूसरे के बीच विश्वास पैदा हो। दोस्ती को मजबूत बनाने के लिए कॉमन पसंद की फिल्में देखें, घूमने जाएं। साथ ही साझा रुचियों जैसे खेल, फिटनेस, यात्रा या अन्य गतिविधियों का सहारा लेना चाहिए। दोस्ती में भावनात्मक समर्थन बहुत महत्वपूर्ण होता है। जब आप अपने दोस्त की भावनाओं को समझते हैं और उसे सहारा देते हैं, तो यह रिश्ते को मजबूत बनाता है। सहानुभूति दिखाना किसी भी रिश्ते में जरूरी है। जब पुरुष अपने दोस्तों की समस्याओं और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं, तो यह रिश्ते को गहरा बनाता है। इस तरह, पुरुष एक-दूसरे के संघर्षों को समझने के साथ उन्हें हल करने की कोशिश करें।

अवैध खनन के खिलाफ खान विभाग ने आकस्मिक कार्रवाई की
70 करोड़ 37 लाख के जुर्माने के साथ ही 3 एफआईआर दर्ज

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। खान विभाग द्वारा अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ नागौर में एक साथ अलग अलग स्थानों पर अब तक की सबसे बड़ी और ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अवैध खननकर्ताओं पर 70 करोड़ 37 लाख का जुर्माना लगाने के साथ ही संबंधित थानों में 3 एफआईआर दर्ज कराई है। विभाग को गोपनीय तरीके से प्राप्त सूचना के आधार पर निदेशक खान श्री दीपक तंवर ने मुख्यालय उदयपुर से गोपनीय तरीके से अधिकारियों की अलग अलग टीम गठित कर संबंधित स्थानों पर एक साथ कार्रवाई के लिए भेजी। खासबात यह कि टीम के सदस्यों को भी कार्रवाई स्थल की पूर्व में जानकारी नहीं दी गई और इसका परिणाम यह रहा कि अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई संभव हो पाई। गौरतलब है कि राज्य सरकार अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की पक्षधर रही है और फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाते रहे हैं। विभाग द्वारा बनाई गई विशेष टीम द्वारा पूर्ण गोपनीयता बरतते हुये नागौर जिले में अवैध खनन के विरूद्व आकस्मिक कार्यवाई करते हुए श्री राम केमिकल्स के लाईमस्टोन के खनन पट्टा संख्या 67/2001 की जांच करने पर लीज क्षेत्र के अन्दर क्रैशर मिला जिसके द्वारा रवन्नाओं के दुरूपयोग कर लगभग 3,32,177 टन खनिज का निर्गमन पाया जाने पर 48 करोड 16 लाख की शास्ती आरोपित की गई। इसी प्रकार भावण्डा के समीप एक अवैध खनन पिट में लगभग 19,900 टन खनिज चूना पत्थर का अवैध खनन कर निर्गमित किया हुआ पाया गया। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि यह अवैध खनन श्री राम किशोर दातोड द्वारा करवाया जा रहा है एवं यह अवैध पिट उनके मकान के सम्मुख ही लगभग 5 से 15 मीटर की दूरी पर पाया गया। विशेष जांच दल द्वारा अवैध खनन का पंचनामा बनाया जाकर 14.48 करोड रूपए की शास्ती लगाई गई। अवैध खननकर्त्ता श्री रामकिशोर दोतड एवं खातेदार श्री रामजीवन के विरूद्व भावण्डा पुलिस थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 30/2025 दर्ज करवाई गई। खान विभाग के एक अन्य दल द्वारा गंगवाना क्षेत्र में एक चूने के भट्टा श्री शिवम लाईम प्रोडक्ट प्रो. श्री सुमेर सिंह उदावत के भट्टा क्षेत्र में लगभग 550 टन खनिज लाईमस्टोन मिलने पर रेकार्ड मांगने पर खनिज स्वयं के खनन पट्टा संख्या 31/2002 एवं एक अन्य खनन पट्टा 30/2002 से खनिज प्राप्त किया जाना बतलाया गया जिस पर जांच दल द्वारा उक्त दोनों खनन पट्टों का निरीक्षण करने पर खनन पट्टा संख्या 31/2002 में लगभग 16,632 टन खनन पट्टा क्षेत्र से बाहर अवैध खनन किया जाना प्रमाणित होने पर अवैध खनन की शास्ती राशि 2.41 करोड रूपए आरोपित की गई एवं अन्य खनन पट्टा संख्या 30/2002 में भी अवैध खनन लगभग 24,884 टन अवैध खनन लीज क्षेत्र के बाहर पाया जाने पर शास्ती राशि 3 करोड़ 61 लाख रु. आरोपित की गई। जांच दल द्वारा संबंधित थाने में अवैध खननकर्त्ता श्री सुमेर सिंह एवं श्री ललित ब्यास के विरूद्व नामजद दो एफआईआर संबधित पुलिस थाने में दर्ज करवाई जा रही है। एक अन्य कार्रवाई में जांच दल द्वारा टाडावास में मैसर्स धीरज केमिकल स्टोन में अवैध खनिज चुनाई पत्थर लगभग 3,120 टन पाया जाने पर 11 लाख 12 हजार रु. की शास्ती आरोपित की गई एवं इनके द्वारा खनिज तरूणू स्थित खनन पट्टा संख्या 15/2004 से लाना दर्शाने पर खनन पट्टे के निरीक्षण में 42613 टन रवन्नाओं का दुरूपयोग पाया जाने पर 1 करोड 49 लाख रुपए की शास्ती आरोपित की गई एवं इसके समीप स्थित अन्य खनन पट्टा 16/2004 में लगभग 1092 टन रवन्नाओं का दुरूपयोग पाया जाने पर 4 लाख 02 लाख रुपए की शास्ती आरोपित की गई। राज्य सरकार द्वारा अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

14 अप्रैल को मनाई जाएगी संविधान निर्माता की जयंती

▼ 5 अप्रैल को निकलेगी शोभा यात्राप्रप्त प्रप्त कार्यक्रम में समाज की होनहार प्रतिभाओं का होगा सम्मान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। संविधान निर्माता करोड़ों करोड़ों भारतीयों के मसीहा डॉक्टर बी आर अम्बेडकर की वीं जयंती धूमधाम ओर हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी हर वर्ष की भांति गोल बाजार स्थिति अम्बेडकर चोक मुख्य समारोह आयोजित किए जाने का निर्णय एससी एसटी ओबीसी आरक्षण मंच के जिला अध्यक्ष कालूराम मेघवाल व दलित एक्शन कमेटी के अध्यक्ष पार्षद बंटी वाल्मीकि द्वारा संयुक्त रुप से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि जीनगर धर्मशाला में दलित समाज से जुड़े गणमान्य नागरिकों की बैठक एससी एसटी ओबीसी आरक्षण मंच एवं दलित एक्शन कमेटी के संयुक्त तत्वधान में की गई जिसकी अध्यक्षता मजदूर नेता कुम्हार समाज के जिलाध्यक्ष कामरेड महेंद्र बागड़ी ने की बैठक मौजूद कार्यकर्ताओं द्वारा सुझाव दिया कि जंयती से पूर्व शहर में शोभा यात्रा का आयोजन किया जावे गत वर्ष सरकारी नौकरियों में स्थान पाने वाले एससी एसटी मूल ओबीसी व अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ साथ इन्हीं वर्गों के होन हार छात्र छात्राओं को मंच से सम्मानित किया जाएगा दलित व मूल ओबीसी परिवाओ में को अम्बेडकर मिशन से अधिक से अधिक जोड़े जाने के उद्वेश्य से अम्बेडकर मिशन का प्रचार प्रसार करने वाले लोगों ओर एससी एसटी ओबीसी परिवाओ में जागृति लाने ओर अम्बेडकर मिशन से अधिक से अधिक जुड़ने के उद्वेश्य से कार्यक्रम में परिवार सहित भाग लेने वाले परिवारों को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है कार्यक्रम में एससी एसटी मूल ओबीसी व अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े पार्षद, पूर्व पार्षद सरपंच पूर्व सरपंच पंचायत समिति सदस्यो सभी राजनेतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को बतौर अतिथि कार्यक्रम में समलित किया जाएगा कार्यक्रम को विशाल रूप देने हेतु 26 मार्च बुधवार शाम 5 बजे जीनगर धर्मशाला में पुनः बैठक आयोजन किया जाएगा बैठक में पार्षद धर्मेंद्र मौर्य पार्षद पहलाद सोनी पार्षद प्रतिनिधि अरविंद जाटव पूर्व पार्षद शंकर असवाल पूर्व पार्षद राजेश निर्वाण ओम जी गुणपाल दुली चंद तूदवाल सोहन नायक प्रो दिनेश महरिया प्रो राजेश धौलपुरिया प्रो आत्मा राम डालियां प्रो धर्मवीर सिंह मानी चायल तारा चंद भाटिया शालू पहलवान विजय सांखला विजय द्रविड़ खेतपाल बारूपाल मदन भाटिया सरवन आसेरी राजा राम महारा मिशनरी गायक अशोक सुमानी पंकज पहलवान रामरतन घोडेला रामकुमार मेघवाल रवि कुमार मेघवाल द्वह्न विजय नायक रोहित शर्मा सुनील चांवरिया मनीष दैत्य मांगी लाल कन वाड़िया मोहमद इमरान सुल्तान धानक पार्षद बंटी वाल्मीकि कालूराम मेघवाल आदि लोग उपस्थित थे।

बकरीपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय स्टेट बैक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे बकरीपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक बिधु शंकर ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक बिधु शंकर ने बताया कि बकरीपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 26 प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर संदीप कुमार द्वारा सफलतापूर्वक ट्रेनिंग दी गयी। निदेशक बिधु शंकर ने कहा कि बकरीपालन एक तरह से गरीब की गाय होती है, जिसे कम पूंजी लगाकर अच्छा व्यवसाय शुरू कर कम खर्च में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

गौवंश व पक्षियों को 13450 किलो हरा चारा, गुड़, फल व चुग्गा खिलाया

❑ रामनवमी एवं भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में की जाएगी गौ सेवा : किशन खारीवाल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी महाराज की प्रेरणा से अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा स्थाई गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश व पक्षियों को मार्च माह में लगातार चौथे सप्ताह हरा चारा एवं दाना-चुग्गा की सवामणियां खिलाई गई। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सुखाडिया सर्किल स्थित श्रीगौशाला में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धाभाव से गौवंश को 33 सवामणी हरा चारा तथा 1-1 सवामणी केले एवं गुड़ की खिलाई गई। इस सेवा कार्य में समाजसेवी बाबू बंसल, अनिल-नीलू बंसल तथा पार्थ-माहिरा आहूजा द्वारा सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया तथा अग्र समिति परिवार द्वारा गुड़ व केले की सवामणी की सेवा की गई। तत्पश्चात् श्रीगौशाला प्रांगण स्थित पक्षी विहार में स्व. सत्यपाल बंसल की पावन स्मृति में तरूण-नीलम सिंगल एवं परिजनों के सहयोग से पक्षियों को एक सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया गया। श्री खारीवाल ने बताया कि मार्च माह में अग्र समिति परिवार द्वारा गौवंश व पक्षियों को 13450

किलो गौ आहार व दाना-चुग्गा खिलाया गया, जिसमें 5050 किलो हरी पत्ता गोभी, 7800 किलो हरा चारा, 200 किलो गुड़, 200 किलो केले तथा 200 किलो दाना-चुग्गा खिलाकर सेवा कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि सेवा कार्यों की श्रृंखला में 6 अप्रैल, रविवार को भी भारतीय नववर्ष तथा रामनवमी के उपलक्ष्य में गौवंश को हरा चारा तथा पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाया जाएगा। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने अग्र समिति परिवार की सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक माह गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौमाता को हरा चारा, गुड़ व केले, फल आदि खिलाने के साथ-साथ पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाया जाता है। नियमित रूप से चल रहे गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश के लिए गुड़ व हरे चारे तथा पक्षी विहार में पक्षियों के लिए दाना-चुग्गा की सवामणी लगाने के इच्छुक गौभक्त व जीव प्रेमी समिति परिवार अध्यक्ष किशन खारीवाल मो.नं. 9413376500 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर किशन खारीवाल, नितिन खारीवाल, राकेश सिंघल, मनीष बाजोरिया, योगेश मंगल, प्रिंस गोयल, अनमोल सिंघल, रोहित अग्रवाल, अनिल बंसल, रितू गोयल, आभा अरोड़ा, नीतू बंसल, अनिल वालिया, विद्या गोयल, सुनीता सिंघल, श्वेता बंसल सहित सहित अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। युवा वेल्फेयर फाउंडेशन द्वारा. रविवार शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी द्ध जंक्शन स्थित भगत सिंह चौंक पर स्थापित भगत सिंह शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर संगठन सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह राजगढ़िया ने बताया कि भगत सिंह गोरों से देश को आज़ाद करवाना चाहते थे परन्तु वर्तमान मे देश पर देश के पूंजीपतियों का ही राज है उन्होंने युवाओ से देश हित मे अमीर ओर गरीब की

खाई को खत्म कर भगत सिंह के सपनो को मंजिल तक पहुंचाने का आह्वान किया। अध्यक्ष विक्रम सिंह रामगढ़िया चाणक्य शर्मा गोविंद जी सोनी विजय सोनी सचिन कौशिक कृष्ण जी गहलोत सैनी जी अर्जुन विमल और बाबूराम जी सभी सदस्य हैं वहां उपस्थित रहे।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर साल मेले वतन पे मरने वालों का बाकी यही निशां होगा...

❑ शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। आज दलित उत्थान मंच द्वारा लालगढ़ जाटान में शहीद दिवस भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव शहीद दिवस मनाया गया शहीद दिवस सभी ने दो मिनिट का मौन रख और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दे कर उन महान शख्सियत को याद किया गया। इस भव्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरु मां मंगला मुखी मुस्कान माई गणेशगढ़ चेला संध्या पूर्व उपप्रधान सुरेंद्र जलंदरा, मंडल पवन गुरुवा, दलित उत्थान मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर बोयत व दलित उत्थान मंच प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र लालगढ़िया,, एडवोकेट संतोष नायक ,बजरंग दल सुशील बिश्नोई, राघव लिडिया थे। इस अवसर पर गुरु मां मुस्कान माई और संध्या माई ने कहा की शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर साल मेले वतन पे

मरने वालों का बाकी यही निशां होगा भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव ने अपनी जवानी देश के नाम नोच्छावर कर दी। आज हम आजादी की जिन्दगी जी रहै है यह शहीदों की बदौलत है भगत सिंह का सपना था सभी को समानता का अधिकार मिले। आज युवा नशे की चपेट में फस रहा है यह चिन्ता का विषय है युवाओं ने नशा करना है तो हमारे शहीदों की तरह राष्ट्र भक्ती का नशा होना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व उपप्रधान सुरेंद्र जलंदरा, मंडल पवन गुरुवा, दलित उत्थान मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर बोयत व दलित उत्थान मंच प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र जी लालगढ़िया,एडवोकेट संतोष नायक ,बजरंग दल सुशील बिश्नोई, राघव लिडिया आदि ने कहा कि हमें अपने बच्चों को बेहतर संस्कार दें बच्चो को अच्छी शिक्षा दे साथ ही अपने बच्चों की हर गतिविधियों पर भी लगातार नजर रखें ताकि अपने बच्चे गलत संगत में ना पड़े और बच्चे नशे से दूर रहें। बच्चे पढ़ेंगे लिखेंगे और नशे से दूर रहेंगे यही असल में इन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और हमारे सुनहरे भारत का सपना पूरा होगा। इस मौके पर पूर्व प्रधान सुरेंद्र जलंधरा, मण्डल अध्यक्ष पवन गरुवा, दलित उत्थान मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर बोयत,दलित महामंत्री राजेश भाटी लालगढ़ जाटान,दलित उत्थान मंच सुरेंद्र जी लालगढ़िया ,रामकुमार मेघवाल, दिलीप बोरड ,महावीर मेघवाल उर्फ डेनी, एडवोकेट संतोष नायक ,प्रेम वाल्मीकि ओमप्रकाश वाल्मीकि ,योगेश धुलिया ,महेंद्र धुलिया ,मनीष धुलिया, बबलू बेरड, रवि बेरड, सतपाल मेघवाल ,निर्मला देवी धुलिया, माया ,रचना ,मंजू , सुशील बिश्नोई, राघव लिडिया,आदि मौजूद रहे।

चूनावढ बस स्टैंड पर नशा मुक्ति युवा संकल्प यात्रा का किया स्वागत

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। स्थानीय बस स्टैंड पर रविवार ड्डदोपहर को शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह जी के शहीदी दिवस पर युवा संकल्प यात्रा का स्वागत हार्दिक अभिनंदन किया गया यह युवा संकल्प यात्रा श्री गंगानगर से तीन दर्जन वाहनों पर पदमपुर की ओर रवाना हुई जिसका रास्ते में चुनावढ बस स्टैंड पर युवा संकल्प यात्रा के मुखिया संयोजक अरनवीर सिंह संधू सहित अन्य युवा समूह संगठन सदस्यों को ग्रामीणों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया इस दौरान करनवीर सिंह संधू ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा वर्ग नशे से बर्बाद हो रहा है इस नशे में कई मांओ के लाल भगवान को प्यारे हो गए हैं युवा वर्ग को नशे से बचने के लिए आमजन का सहयोग अति आवश्यक है नशे को बंद करने

का सच बोलना एक बार तो कड़वा लगता ही है इस नशे के प्रति नेतागण व प्रशासन को किसी लोभन व लालच को त्याग कर इसके प्रति गंभीरता से काम करना चाहिए ताकि युवा वर्ग को बचाया जा सके उन्होंने कहा की केमिकल व मेडिकडिकल नशे की रोकथाम, गंग नहर में सिंचाई पानी का पूरा हिस्सा मिले, नहरी पानी के वितरण मेंअनियमता, फिरोजपुर फीडर का जल्दी निर्माण, जहरीले व गंदे पानी कारण कैंसर व अन्य बीमारियों का आम होना, स्वास्थ्य व शिक्षा की सुविधाओं में सुधार करने की मांग की गई इस अवसर पर राहुल, मंगा सिंह राजेंद्र चाहर राजू अजय शर्मा पवन कुमार एकम बराड, मनिंदर बराड अजय शर्मा संजय शर्मा दीपक रोहित लोहोरा जगदीप चहल,हरप्रीत रमाना वरुण चावला सुमित कुमार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

गोवा भारतीय टूरिस्ट्स के लिए ही नहीं दुनिया भर के टूरिस्ट्स का फेवरेट डेस्टिनेशन है। यहां के फेमस स्पॉट्स के बारे में तो अधिकतर लोग जानते हैं, लेकिन इनसे अलग गोवा में ऐसी कई लोकेशंस हैं, जहां आपको कुछ अलग ही सुकून और शांति का अनुभव होगा। जानिए, गोवा के कुछ ऐसे ही ऑफबीट लोकेशंस के बारे में।

बहुत अमेजिंग-अट्रैक्टिव हैं

गोवा के ऑफबीट लोकेशंस

हर्वलेम वॉटरफॉल

अगर आपको गोवा में बीचेस के अलावा प्रकृति की सुंदरता को निहारना है तो हर्वलेम वाटरफॉल एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। नॉर्थ गोवा में मौजूद इस वाटरफॉल की असली सुंदरता बारिश के दिनों में दिखाई देती है, जब पानी का बहाव तेज होने से टूरिस्ट्स वाटरफॉल के ऊपरी हिस्से में भी पानी के फव्वारों का आनंद ले सकते हैं। वाटरफॉल के पास ही एक प्राचीन मंदिर भी है, जो गोवा के इस मनोरम दृश्य को आध्यात्मिक भी बना देता है। ❋

कोला बीच

नॉर्थ गोवा के भीड़-भाड़ से हटकर साउथ गोवा का यह हिडेन कोला बीच, सुंदर कोकोनट ट्रीज और हिल्स से घिरा हुआ है। कोला बीच मशहूर है, अपने फ्रेश वाटर लैगून के लिए, जहां आप कायाकिंग (पैडल्स वाली बोट के सहारे समुद्री लहरों के रोमांच का मजा लेने वाला खेल) का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। अगर आप समंदर की लहरों का रोमांच और लैगून का लुत्फ एक ही जगह उठाना चाहते हैं तो कोला बीच को अपनी बकेट लिस्ट में जरूर शामिल कीजिए। यह डाबोलिम एयरपोर्ट से 40 किलोमीटर की दूरी पर है और इससे निकटतम शहर मडगाव है। ❋

बेतुल बीच

साउथ गोवा के सॉउथर्नमो मोस्ट में बसा बेतुल एक कोस्टल गांव है, जो लाइट हाउस और फोर्ट के लिए तो मशहूर है ही साथ ही यहां कुदरत ने सुंदरता दिल खोल कर बिखेरी है। जिस स्थान पर साल नदी यहां अरब सागर में मिलती है, उसकी छटा देखते ही बनती है। नदी और समंदर का यह मिलन आपको अपने गोवा ट्रिप में जरूर देखना चाहिए। ❋

अनोखा स्पाइस गार्डन

अगर आप प्लांटेशन के शौकीन हैं तो गोवा आने पर एक बार इस स्पाइस गार्डन की सैर आपको जरूर करनी चाहिए। यहां पर्यटकों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया जाता है, साथ ही टूरिस्ट्स को गोअन शैली का स्वादिष्ट खाना भी परोसा जाता है। इस गार्डन में आप तरह-तरह के मसालों के प्लांटेशंस की विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। गोवा के पोंडा में स्थित यह गार्डन प्लांटेशन के शौकीन टूरिस्ट्स के लिए आकर्षण का केंद्र है। ❋

दिवार आइलैंड

गोवा के मांडोवी नदी पर स्थित यह एक छोटा सा आइलैंड है, जहां जाने के लिए ओल्ड गोवा से आपको फेयरी नाव की मदद लेनी होगी। सुबह से शाम तक इस आइलैंड पर जाने के लिए नौका सेवा उपलब्ध रहती है। इस आइलैंड की खूबसूरती यहां बने वो पुराने घर हैं, जो पुर्तगाली शैली में बने हैं। यहां कई पुराने चर्च भी हैं। इसी आइलैंड पर साओ मटिया नाम का एक गांव है, जिसमें साओ मथियास के 400 साल पुराने पुर्तगाली चर्च मौजूद हैं। इन सबके अलावा आप यहां कदंब राजवंश के खंडहर भी देख सकते हैं। ❋

तांबाडी सुरला का महादेव मंदिर

13वीं शताब्दी में निर्मित भगवान शिव का यह मंदिर कदंब शैली में बना है और गोवा के प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। बेसाल्ट पत्थर से बना यह मंदिर, वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। सुरला नदी के किनारे बना यह मंदिर शिव भक्तों में तो बहुत लोकप्रिय है ही, साथ ही नेचर लवर के लिए भी यह जगह किसी पैराडाइज से कम नहीं है। घने जंगल के बीच स्थित इस मंदिर की सैर के लिए बारिश का दिन सबसे उपयुक्त है। महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां खूब धूमधाम से पूजा की जाती है, इस अवसर पर भी बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु यहां आते हैं। ❋

कल्चरल हेरिटेज का आनंद

अगर आप गोवा की सांस्कृतिक विरासत को देखना चाहते हैं तो यहां कई ऐसे चर्च हैं, जो कई सौ वर्ष पुराने हैं। इनका एक विस्तृत इतिहास है। गोवा के हर शहर में पुर्तगाली संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। कई लोकल गाइड्स आपको पुर्तगाली शैली की बनी इन धरोहरों और बंगलों की सैर करवा सकते हैं। इनके जरिए आप गोवा के उस इतिहास से भी रूबरू हो सकते हैं, जो आज यहां के शोर-शराबे में कहीं दब गया है। ❋

व्यावसायिक रूप से फायदेमंद चेरी का पेड़

चेरी मूल रूप से यूरोप, पश्चिमी एशिया और उत्तरी अमेरिका का फल है। भारत में जंगली चेरी को हिमालयन वाइल्ड चेरी या पद्म कहा जाता है और खाने वाली चेरी जिसकी खेती होती है, उसे प्रूनस एवियम या प्रूनस सिरसस कहते हैं। ये चेरी खास तौर पर व्यावसायिक रूप से फलों के उत्पादन हेतु उगाई जाती है। चेरी का पेड़ पर्यावरण, कृषि और सौंदर्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

होते हैं बहुपयोगी: चेरी का फल लाल, पीला, काला में से किसी भी रंग का हो सकता है। यह खट्टा और मीठा दोनों होता है। हालांकि बाजार में मीठी चेरी की ज्यादा मांग है। जैम, जैली, केक, पेस्ट्री, टार्ट, चॉकलेट और चीज केक आदि के साथ मीठी चेरी के ताजे फल खूब शौक से खाए जाते हैं। गुठलीदार चेरी के फल, जिसे ड्रूप कहते हैं आकार में छोटे, गोल, चमकदार और गहरी त्वचा वाले होते हैं।

इन राज्यों में होता है उत्पादन: चेरी की बढ़ती मांग को देखते हुए हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नागालैंड के पहाड़ी इलाकों में अब काफी बड़ी तादाद में चेरी का उत्पादन हो रहा है। साथ ही इन पर्वतीय इलाकों में चेरी की कई नस्लें विकसित की गई हैं, जो अन्य प्रकार के जलवायु में भी विकसित हो सकती हैं। अब तो बिहार, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों और महाराष्ट्र में भी चेरी की बागवानी होने लगी है।

पेड़ की संरचना: चेरी का पेड़ 4 से 15 मीटर तक यानी 13 से 50 फीट तक लंबा हो सकता है। खट्टी चेरी के पेड़ आमतौर पर ठिगने होते हैं। हालांकि चेरी की कुछ बौनी किस्में मीठी भी होती है। चेरी का पेड़ लगाए जाने के 4 से 5 सालों बाद फल देना शुरू कर देता है। इसके पेड़ की सामान्य और स्वाभाविक उम्र 60 साल से ज्यादा होती है, लेकिन यह उत्पादन 40 से 50 सालों तक ही दे पाता है, इसके बाद चेरी में उत्पादन बहुत कम हो जाता है। चेरी के पेड़ों में बारी-बारी से साधारण अंडाकार पत्तियां, गुलाबी लाल रंग की कलियां और सफेद पंखुड़ियों वाले फूल खिलते हैं, जो शुरुआती वसंत के दौरान गुच्छों में दिखाई देते हैं। गोल या दिल के आकार वाला फल चेरी बेहद स्वादिष्ट होता है।

अनुकूल दशाएं: चेरी के पेड़ उगाने के पहले कुछ खास बातें जान लेनी चाहिए। मसलन- चेरी के पेड़ धूप लगने वाली जगह पर अच्छी तरह से विकसित होते हैं, लेकिन इन्हें गर्मी की बजाय मिली-जुली जलवायु चाहिए होती है। ये अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में सबसे ज्यादा विकसित होते हैं। चेरी के पेड़ों को कलम करके लगाना अच्छा रहता है, क्योंकि ऐसा चेरी का पेड़ बेहतर फल उत्पादन करता है।

कम नहीं आर्थिक महत्व: हालांकि अभी भी भारत में बिकने वाली 50 फीसदी से ज्यादा चेरी विदेशों से ही आती है। लेकिन इसकी डिमांड को देखते हुए चेरी की व्यावसायिक खेती किसानों के लिए बेहद उपयोगी और आर्थिक दृष्टि से बहुत फायदेमंद सिद्ध हो रही है। एक किसान, चेरी के पेड़ों की बागवानी करके 50 हजार रुपए प्रति एकड़ से ज्यादा की सालाना इनकम कर सकता है। ❋

हर वर्ष फरवरी-मार्च के महीनों में ओडीशा के समुद्र तटों पर हजारों-लाखों की संख्या में ऑलिव रिडले प्रजाति के कछुए आते हैं। ये यहां क्यों आते हैं और इनकी अन्य क्या विशेषताएं हैं, जानना बहुत रोचक है।

ओडीशा के समुद्र तटों पर आए ऑलिव रिडले टर्टल्स

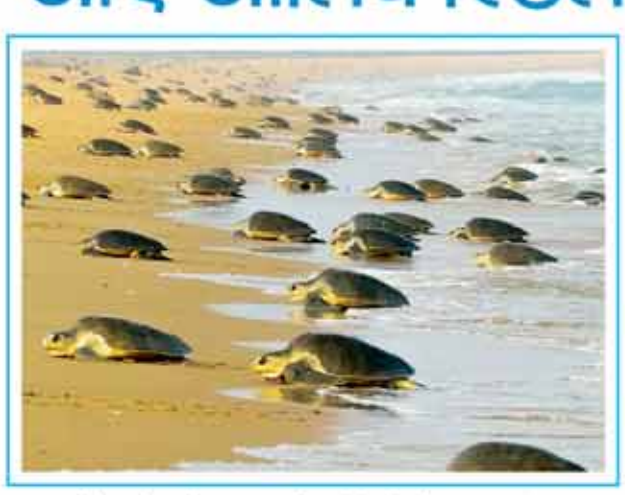

जाड़ों के बाद वसंत के दौरान जब मौसम करवट ले रहा होता है, तब ओडीशा राज्य के गंजाम जिले के रुशिकुल्या और गहीरमाथा रुकेरी समुद्र तटों पर अनोखा नजारा दिखता है। दरअसल, इस दौरान बड़ी संख्या में ऑलिव रिडले प्रजाति के मादा कछुए समुद्र तटों पर सामूहिक अंडे देने के लिए आते हैं। मादा कछुओं के ये समूह इन समुद्री तटों पर कुछ समय तक रहते हैं। इन तटों की रेत को अपने पिछले पैरों की मदद से खोदकर शंकु के आकार के सुरक्षित घोंसलेनुमा गड्ढे बनाती हैं। इन घोंसलों में अंडे देकर ये वापस समुद्र में चली जाती हैं।

ऑलिव रिडले की शारीरिक संरचना: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के अनुसार पूरी दुनिया में कई प्रजाति के समुद्री कछुए पाए जाते हैं। इनमें सबसे छोटे और सबसे ज्यादा संख्या में पाए जाने वाले कछुओं में से एक है- ऑलिव रिडले। इसका वैज्ञानिक नाम लेपिडोचैलिस ऑलिवेशिया है। ऑलिव रिडले नाम उनके जैतून (ऑलिव) जैसे हरे रंग और दिल के आकार के शेल (खोल) के कारण पड़ा है। प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर के गर्म पानी में रहने वाले ऑलिव रिडले कछुए, दुनिया भर के लगभग 40 देशों में पाए जाते हैं। ये 2 फुट तक लंबे और 50 किग्रा. तक वजन के होते हैं। ऑलिव रिडले कछुए 14 साल की उम्र तक वयस्क हो जाते हैं।

मूल निवास से दूर देते हैं अंडे: अंडे देने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए ऑलिव रिडले कछुए, अपने मूल निवास स्थान से हजारों किमी. का सफर तय करने के बाद दूर देश के समुद्री तटों पर पहुंचते हैं। ये ज्यादातर भारत, मैक्सिको और कोस्टा रिका के चुनिंदा समुद्र तटों पर ही पहुंचते हैं। भारत की बात करें, तो ओडिशा के रुशिकुल्या और गहीरमाथा रुकेरी समुद्र तट पर ये ऑलिव रिडले, हर साल फरवरी-मार्च के महीने में देखे जाते हैं।

क्यों आते हैं इन तटों पर: ओडिशा के समुद्री तटों पर इन कछुओं के आने की वजह इन दिनों वहां का होने वाला गर्म मौसम है। इसके अलावा तटीय पारिस्थितिकी तंत्र, गर्म रेतीले समुद्र तट की स्थिति अच्छी होना, बारिश कम होने की वजह से तट पर कटाव कम होना, हल्के और कम चौड़ाई के समुद्र तटीय ढलान, पर्याप्त मात्रा में मध्यम कणों वाली रेत या मिट्टी होना, जिसमें अंडे देने के लिए आसानी से गड्ढा खोदकर घोंसला बनाया जा सकता है, समुद्री जल में लवणता की कमी, हवा की गति कम होना, समुद्र की मध्यम लहरें, जो उन्हें समुद्र की ओर जाने में मदद करें, जैसी अनेक वजहें ऑलिव रिडले के अरिबाडा प्रक्रिया (अरिबाडा स्पेनिश भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है, समुद्री रास्ते के जरिए आगमन) के लिए बहुत ही अनुकूल होती हैं। यही वजह है कि फरवरी-मार्च के महीने में बड़ी तादाद में ऑलिव रिडले प्रजाति के कछुए यहां पहुंचते हैं।

वंशानुगत है यह गुण: मादा कछुए के अंडे देने के लगभग 10 हफ्तों के बाद चांदनी रात में इन अंडों में से बच्चे निकलने लगते हैं और समुद्र की ओर भागते हैं। उनमें चमकदार प्रकाश के प्रति कुदरती तौर पर आकर्षण होता है। समुद्र पर पड़ती चांदनी उनके लिए प्रकाश स्तंभ का काम करती है। छोटे-छोटे बच्चे सीधे उसकी तरफ चल पड़ते हैं। समुद्र का यह रास्ता इन कछुओं के ब्रेन में स्टोर हो जाता है। इस वजह से ये नन्हे कछुए प्रजनन योग्य होने पर दोबारा उसी जगह अपने अंडे देने आते हैं, जहां उनका जन्म हुआ था। यानी यह गुण उनमें वंशानुगत आगे बढ़ता रहता है।

घट रही है संख्या: इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के मरीन टर्टल स्पेशलिस्ट ग्रुप के अनुसार ऑलिव रिडले कछुओं की आबादी में 1960 के बाद से 50 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। इन कछुओं को सबसे बड़ा खतरा मछली पकड़ने वाले ट्रालर से होता है। इसके अलावा इनके घोंसलों वाली जगहों के आस-पास शहरी विकास और लाइट्स इनके लिए नुकसानदायक हैं। जिनसे आकर्षित होकर ये कछुए समुद्र से उल्टी दिशा में जाने लगते हैं, जिससे ये बच्चे शिकारियों द्वारा पकड़ लिए जाते हैं या अपना रास्ता भटक जाते हैं। ❋

देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग किस्म की नाट्य विधाएं प्रचलित रही हैं। इनमें से कई विधाओं में बदलते समय के साथ कई बदलाव आए। ऐसे ही बदलावों को आत्मसात कर असम का घुमंतु थिएटर रंगमंच प्रेमियों को खूब पसंद आ रहा है। विश्व थिएटर दिवस (27 मार्च) पर इनकी विशेषताओं पर एक नजर।

कला-मनोरंजन का अनोखा अनुभव

असम के घुमंतु थिएटर

हमारे देश में नाट्य कला की समृद्ध परंपरा रही है। पुराने जमाने में लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन नाटक हुआ करते थे। चाहे पश्चिम बंगाल में 'जात्रा' के नाम से पुकारे जाते हों या उत्तर प्रदेश में 'नौटंकी', महाराष्ट्र में 'तमाशा' के नाम से हों या असम के घुमंतु या भ्राम्यमान थिएटर हों। वक्त बदला, तकनीक बदली। इसके साथ ही लोगों की रुचि भी बदली।

समय के साथ बदला स्वरूप: परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है, जो वक्त के साथ बदल गया, वह अपने अस्तित्व को बचाने में सक्षम रहा और जो नहीं बदल पाया, वह खत्म हो गया। असम का घुमंतु थिएटर इस मामले में सौभाग्यवान रहा। समझदार कला-प्रेमियों ने वक्त की नजाकत को समझा और लोगों की रुचि के अनुरूप इसे आधुनिक कथावस्तु और तकनीक से सुसज्जित कर आधुनिक बना दिया। संभवतः इसीलिए सैटेलाइट चैनलों और थ्री डी फिल्मों के इस दौर में आज असम में 20 से ज्यादा घुमंतु यानी मोबाइल थिएटर समूह सक्रिय हैं। ओटीटी के बढ़ते चलन के बावजूद ये थिएटर लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब आइनॉक्स, पीवीआर और हॉल में सिनेमा प्रोजेक्शन भी पहले की तरह दर्शकों को आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं।

विशेषताएं हैं कई: परंपरा का नवीनता के साथ सम्मिश्रण, भावनात्मक गहराई के साथ सजीव प्रदर्शन और मजबूत सामुदायिक संबंध, यही वजह है कि इन मोबाइल थिएटरों ने गांवों और कस्बों में समान रूप से अपनी कहानियों को जीवंत कर दिया है। आज भी हजारों लोग थिएटर बनाने में लगे हुए हैं- निर्देशकों, अभिनेताओं से लेकर तकनीशियनों तक, जो मानते हैं कि मनोरंजन के इस रूप की जगह कोई नहीं ले सकता। यहां हिंगूल, कोहीनूर, आवाहन और श्रीमंत शंकर देवा जैसे बड़े नाटक समूह भी हैं, तो भाग्यदेवी जैसी छोटी कंपनियां भी।

पहियों पर सवार कारवां: असम के चलायमान, भ्राम्यमान, मोबाइल या घुमंतु थिएटरों में कलाकारों, तकनीशियनों और सहायकों का समूह ट्रकों, बसों और कारों में सफर करते हुए एक जगह से दूसरी जगह भ्रमण करते हैं। जहां सही जगह और दर्शक पाते हैं, वहीं शामियाना लगा लेते हैं। डेरे डाल देते हैं। साथ में चल रहे रसोइए चूल्हे जलाते हैं। भोजन पकाते हैं और काफिले में चल रहे लोगों को पेट-पूजा करवा कर, उनमें अगले दिन से शो की तैयारी के लिए ऊर्जा भर देते हैं।

बदल गई थीम और तकनीक: आज का मोबाइल थिएटर बीते दिनों की तुलना में बिल्कुल बदल चुका है। आज इनकी कहानियां शेक्सपियर के नाटकों और हॉलीवुड की धमाकेदार फिल्मों 'दी लॉस्ट वर्ल्ड: जुरासिक पार्क', 'एनाकोंडा', 'टाइटेनिक' आदि से भी ली जाती हैं। डायनासोर या विमान अपहरण के दृश्यों को जीवंत करने के लिए इनका बजट भी लाखों में होने लगा है। इनका म्यूजिक भी पूरी तरह डिजिटल हो चला है।

सबका मन जीत रहा थिएटर: इन थिएटरों की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्थानीय फिल्म और संगीत उद्योग के चर्चित कलाकार भी इसमें भूमिका निभाने लगे हैं। फिल्म 'इश्किया' में विद्या बालन के पति की भूमिका निभाने वाले अभिनेता आदिल हुसैन ने एक दशक पहले मोबाइल थिएटर से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। थिएटर की दुनिया की चर्चित शख्सियत और पद्मश्री अवार्ड विजेता रतनथियम कहते हैं, 'असम का मोबाइल थिएटर देश के सर्वाधिक सक्रिय थिएटर मूवमेंट्स की गिनती में आता है।'

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से स्नातक बिप्लब बोरकाकोटी, जो इस पर रिसर्च कर रहे हैं, बिजली की फुर्ती से स्टेज पर दृश्य बदलने की कला से अभिभूत हैं। वे कहते हैं, 'पूरी टीम का सामंजस्य देखने लायक होता है। वक्त के साथ स्क्रिप्ट भी बदल गई है। 60 के दशक में मैलोड्रामा चलता था, जिसमें शाहजहां और अनारकली का राज था। असम आंदोलन के समय थीम राजनीति पर आधारित हो गई, बाद में रोमांस, रोमांच और एक्शन का जमाना आ गया।' ❋

क्या है रंगमंच

ब्रिटैनिका के मुताबिक रंगमंच, वास्तुकला में, एक इमारत या स्थान है, जिसमें दर्शकों के सामने प्रदर्शन किया जा सकता है। थिएटर शब्द ग्रीक भाषा के 'थिएट्रॉन' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'देखने की जगह।' एक थिएटर में आमतौर पर एक मंच क्षेत्र होता है, जहां प्रदर्शन होता है। प्राचीन काल से ही थिएटरों के विकसित डिजाइन को बड़े पैमाने पर कलाकारों को देखने और सुनने के लिए दर्शकों की शारीरिक आवश्यकताओं और प्रस्तुत गतिविधि की बदलती प्रकृति द्वारा निर्धारित किया गया है।

शहीद दिवस पर देशभक्ति गीतों से शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। तपोवन वरिष्ठजन सेवा समिति, श्रीगंगानगर द्वारा शहीद दिवस पर देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जवाहरनगर स्थित तपोवन कैरियर क्लासेज में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंचासीन अतिथि तपोवन ट्रस्ट अध्यक्ष महेश पेड़ीवाल, उदयपाल झाझडिया व सुमेर बोरड़ तथा समिति सदस्य पीएन बजाज, मदनलाल जोशी, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मनीराम सेतिया, प्रो. रामजीदास पसरीजा, के-4 किशोर म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष हरीश अरोड़ा, अशोक खुराना, विजय वासुदेव, सविता अग्रवाल, सरिता गजवानी, सोनाली गाबा सहित समिति सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद राजगुरु व शहीद सुखदेव को पुष्पांजलि अर्पित की।

तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम में के-4 किशोर म्यूजिकल ग्रुप ने देशभक्ति गीतों एवं नये-पुराने गीतों की शानदार प्रस्तुतियों द्वारा अदभुत समां बांधा। मनीराम सेतिया ने 'कैसे भुलाएं कुर्बानियां

शहीदों की...' देशभक्ति गीत द्वारा भारत की आजादी में शहीदों के योगदान को अविस्मरणीय बताया। पीएन बजाज ने भगत सिंह के जीवन पर आधारित पंजाबी गीत सुनाया। महेश पेड़ीवाल ने शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए कहा कि शहीदों की बदौलत ही आज हम आजादी का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। हरीश अरोड़ा ने 'ए वतन तेरे लिए...' देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। अशोक खुराना ने 'गुण चाहे शौक' गजल पेश की। सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने 'जुबां पर दर्द भरी दास्तां' गीत एव डॉ. सरिता ने 'बेखुदी में सनम' गीत पेश किया। डॉ. ओपी वैश ने माऊथ ऑर्गन द्वारा शानदार प्रस्तुति दी।

इस मौके पर अशोक अरोड़ा, हरबंश बलाना, हरीश नागपाल, हेमंत झांब, जगदीश सेतिया, ओमप्रकाश गिजवानी, राजेन्द्र निज्जर, राजेश सिडाना, सतीश कालड़ा, सुनील कालड़ा, विजय सिडाना, दर्शन जलन्धरा, नीतू सक्सेना, प्रवीण बत्तरा, सुनीता अग्रवाल, ममता काठपाल, मनोहर वर्मा, सविता अग्रवाल, सरिता गजवानी, विनोद अग्रवाल, रवि भाटिया, महासिंह, सतीश गाबा, सोनाली गाबा, जगदीश नागपाल आदि ने भी गीतों द्वारा खूब तालियां बटोरी।

तपोवन ब्लड बैंक अध्यक्ष उदयपाल झाझडिया तथा तपोवन मनोविकास विद्यालय अध्यक्ष सुमेर बोरड़ ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद राजगुरु व शहीद सुखदेव के जीवन पर प्रकाश डाला एवं उनके विचारों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। तपोवन वरिष्ठजन सेवा समिति अध्यक्ष मदनलाल जोशी तथा के-4 किशोर म्यूजिकल ग्रुप अध्यक्ष आशीष अरोड़ा ने सभी गीतकारों की शानदार प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की तथा सफल आयोजन के लिए सबका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बनवारीलाल शर्मा, सुशील खुराना, पीसी गर्ग, सुरजन सिंह रंगीला, राजेन्द्र सिंगल, सुरेश कनवाडिया, सुशील शर्मा, रामप्रताप कलवासिया सहित तपोवन वरिष्ठजन सेवा समिति पदाधिकारी, सदस्य तथा के-4 किशोर म्यूजिकल ग्रुप के गायक कलाकार एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जलपान की व्यवस्था की गई थी।

जलदाय विभाग की लापरवाही से चूनावढ़ में पेयजल संकट गहराया

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। कस्बे में जलदाय विभाग की लापरवाही के चलते लोगों को खारे और गंदा दुषित पानी की आपूर्ति की जा रही है जिससे पेट दर्द व दस्त जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी इस गंभीर समस्या को नजर अंदाज कर रहे हैं जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 15— 20 दिनों से ट्यूबवेल का खारा पानी सप्लाई किया जा रहा है जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और जल जनित बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है ग्रामीण महेंद्र कुमार कालूराम जगराम ओमप्रकाश काला सिंह कृष्ण लाल मदनलाल देवेंद्र कुमार काशीराम राकेश कुमार रमेश लाल और अशोक कुमार ने बताया कि कस्बे में लगातार दूषित पानी की सप्लाई हो रही है लेकिन विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि कस्बे के वाटर

वर्कर में आर ओ फिल्टर प्लांट खराब पड़ा है जिसजिससे बिना फिल्टर किए सीधे गंदा रा पानी ओवरहेड टंकी में डालकर सप्लाई किया जा रहा है लोगों ने इस समस्या से विभागीय उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया लेकिन समाधान नहीं हुआ स्थिति यह है कि गर्मी अभी शुरू ही नहीं हुई और लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में हालात और बिगाड़ सकते हैं ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जलदाय विभाग के कर्मचारी टैंकरों से पानी भरवाने के लिए दो से ?300 वसूल कर रहे हैं दूसरी तरफ जब ग्रामीण पानी की मांग करते हैं तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि जल संकट गहरा गया है इस संबंध में जब विभाग के कर्मचारी लीलाधर से संपर्क किया गया तो उसने फोन तक नहीं उठाया मामले को लेकर जब जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता एवं संजय बिश्नोई से बात की गई तो उन्होंने कहा कि टयूबवेल का खराब पानी सप्लाई बंद करवा दिया जाएगा और टैकरों की अवैध आपूर्ति रोकने के लिए वाटर वर्क्स के दोनों गेटों पर ताले लगाए जाएंगे।

दलित एक्शन कमेटी ने शहीद बीरबल चौंक पर किया सफाई श्रमदान

हर सप्ताह करेंगे महापुरुषों के चौंक की सफाई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। दलित एक्शन कमेटी के सदस्यों ने शहीद बीरबल चौंक पर सफाई श्रमदान किया दलित एक्शन कमेटी के सदस्यों ने पहले चौंक पर झाड़ू निकाली फिर पौधों व ग्रिल की सफाई की और उसके शहीद बीरबल चौंक की स्टेच्यु को धोकर नारियल तेल से शाइनर किया और पुरे चौंक को वाइपर से पोछा लगाया सफाई के बाद कचरे को नजदीक कचरे के डंपहर में डाला दलित एक्शन कमेटी अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने बताया की जब आज सुबह दलित एक्शन कमेटी सफाई श्रमदान करने पहुंची और चौक कि साफ

सफाई कि इस दौरान चौंक की बिजली की वायरिंग व लाइटिंग की वायरिंग बहुत बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी और जगह जगह से क्रेकिंग आई हुई थी जिनको सदस्यों ने बहुत मुश्किल से टेपिंग कर साप्ताहिक श्रमदान किया सफाई श्रमदान दौरान दलित एक्शन कमेटी के अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि, नंदू चौहान, मोहम्मद चिरागद्दीन, सोहन नायक, विजय द्रविड, रवि बॉस, अश्विनी भाटिया, राजेश खन्ना, अशोक सुमाली, विशाल घुसर, राहुल सारवाण, अभिषेक सारवाण, लवली घुसर, अभिषेक सारवाण आदि मौजूद थे।

लोकतांत्रिक संस्थाओं को तोड़ने में लगी है भाजपा : जाखड़

बीएलएं मुस्तैदी और सक्रियता से दायित्व निभाएं: मगलानी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। कांग्रेस नेता हेतराम जाखड़ ने कहा है कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने हित में तोड़ने में लगी हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकुर मगलानी ने कहा है कि पार्टी के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए)पूरी मुस्तादी और सक्रियता से दायित्वों को निभाएं ताकि भाजपा की ऐसी हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। सूरतगढ़ में स्थित अंबेडकर भवन में आज शाम सूरतगढ़ तथा राजियासर ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की संयुक्त बैठक में हेतराम जाखड़ तथा अंकुर मगलानी ने संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को प्रदेशध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा की भावनाओं के अनुरूप श्रीगंगानगर जिले में पार्टी को और ज्यादा मजबूत करने पर बल दिया। कांग्रेस द्वारा इन दिनों जिले में विधानसभा क्षेत्रवार ब्लॉक कांग्रेस

कमेटियों की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के समन्वयक हेतराम जाखड़ ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को किस तरह से कमजोरी तथा तोड़ने में लगी है, इसका नमूना श्रीगंगानगर जिला परिषद से मिलता है। जिला परिषद पर अपना कब्जा करने के लिए भाजपा सरकार ने जिला प्रमुख का चुनाव नहीं करवाया बल्कि अपनी पार्टी की एक डायरेक्टर को जिला प्रमुख मनोनीत कर दिया। जिला परिषद में कांग्रेस का प्रचंड बहुमत है। इसलिए सरकार जिला प्रमुख का चुनाव नहीं करवा रही।जिला प्रमुख के चुनाव की सारी संवैधानिक प्रक्रिया को ताक रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा जहां कमजोर है, वहां इसी प्रकार अपना कब्जा करना चाहती है। इसके अलावा स्थानीय निकायों के चुनाव के दृष्टिगत भी वार्डों का पुनर्सीमांकन अपने फायदे के हिसाब से कर रही है। इसके लिए भी नियम कायदे दरकिनार किए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष अंकुर मगलानी ने कहा कि भाजपा की ऐसी करतूतों का जवाब पार्टी के बीएलए अपनी सक्रियता तथा मुस्तैदी से दे सकते हैं। उनको पहले से ज्यादा तर्क होकर अपना काम करना होगा। उन्होंने बीएलए को उनके अधिकारों तथा शक्तियों से विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि जो सक्रिय हैं, वे ही पद पर रहेंगे। निष्क्रिय लोगों को पदों से हटा दिया जाएगा।

श्रीगंगानगर जिले में कांग्रेस बहुत मजबूत है। इसे प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा की भावनाओं के अनुरूप और ज्यादा मजबूत बनाना है ताकि पंचायती राज तथा स्थानीय निकायों के चुनाव में पार्टी का परचम लहराये। सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गैदर ने कहा कि न केवल सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र बल्कि पूरे जिले के मुद्दों को वे विधानसभा में लगातार उठा रहे हैं। विधानसभा में उनके मुद्दों और सवालों का सरकार के पास कोई जवाब नहीं होता।

शहीदों को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। जिला कलेक्ट्रेट श्रीगंगानगर में देश के शहीदों को समर्पित रक्तदान शिविर श्रीगंगानगर मंत्रालयिक संघ के तत्वावधान में राजकीय चिकित्सालय श्रीगंगानगर टीम द्वारा आयोजित किया गया। उक्त शिविर में विभिन्न विभागों कलेक्ट्रेट, सिंचाई, शिक्षा, चिकित्सा, जीपीएफ, कृषि,

श्रद्धद्गस्त्र, महिला बाल विकास आदि विभागों के कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान आयोजक श्रीगंगानगर मंत्रालयिक संघ के जिला संयोजक सीताराम ने बताया कि शिविर में 60 यूनिट रक्तदान किया गया। इस मौके समस्त विभागीय प्रतिनिधियों, जिला चिकित्सालय टीम का आभार व्यक्त किया गया।

कबड्डी चैंपियनशिप में राजस्थान बना उपविजेता

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। दिल्ली के गाजियाबाद में 20 से 22 मार्च तक इण्डियन पैरा कबड्डी एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित दूसरी राष्ट्रीय पैरा कबड्डी चैंपियनशिप में राजस्थान की पैरा कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। राज्य स्तरीय पैरा कबड्डी टीम के इंचार्ज अर्जुन अवार्डी जगसीर सिंह ने बताया कि राजस्थान की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं बिहार जैसी दिग्गज टीमों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र बनाम राजस्थान के बीच खेला गया, जिसमें राजस्थान उपविजेता बना

और 41,000 की नगद इनामी राशि प्राप्त की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पूरे भारत से 16 राज्यों की जोन स्तर पर विजेता टीमों के 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पद्मश्री एवं पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक तथा राष्ट्रीय पैरा कबड्डी संघ की अध्यक्ष देविका मलिक के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में राजस्थान के उपविजेता बनने से पूरी टीम में उत्साह और जोश भर गया। हनुमानगढ़ सहित पूरे राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ।

फाइनल से पहले राजस्थान टीम का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों के लिए उत्तम भोजन, उत्कृष्ट ट्रेनिंग एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। यह शिविर पुलिसकर्मी एवं एनआईएस कोच सुनील सामरिया के निर्देशन में आयोजित हुआ। टीम को सहयोग देने के लिए शहीद स्मारक हनुमानगढ़ के एडवोकेट शंकर सोनी एवं राही फाउंडेशन ने भोजन एवं रहने की व्यवस्था की, जबकि अंबेडकर भवन ने भी इस पहल में योगदान दिया। खिलाड़ियों को ईथन स्पोर्ट्स द्वारा ट्रैकसूट एवं खेल किट वितरित किए गए। राजस्थान टीम के खिलाड़ी-हनुमानगढ़- गुरप्रीत सिंह, चेतराम, पंकज, मदन, श्रीगंगानगर- लोकराम, जालौर- तगाराम, बाड़मेर- भीयाराम, उदयपुर- मनीष, अजमेर- नरेंद्र,जयपुर- दीपचंद, साहिद अली, रामावतार टीम के मैनेजर योगेश कुमावत और सहायक कोच लखबीर सिंह ने भी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया।

एनीमल वैलफेयर की तरफ से पहला सराहनीय कदम

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। ऐनीमल वेलफेयर चेरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से पहला कदम जनसहयोग से सदेरलाइजेशन की शुरूआत की गयी। ज्योति शर्मा अम्बाली गोदारा ट्रस्ट की मेम्बर ने चतायी मुहिम आज 12 फीमेल डाग को आप्रेशन के लिये सूरतगढ़ भेजा जहाँ

इनका आप्रेशन होगा और जब ये फोमेत डाग विल्कुल ठीक हो जायेगी तब इनके रेबिज के इन्जेक्शन लगा कर इन्हें वापिस इनके ऐरिया में जो इनकी देखभाल करते है। उन्हें सौंपा जायेगा जीव कल्याण बोर्ड के और दिशा निर्देश के अनुसा ही सारा काम किया जा रहा है। ताकि इनकी बढ़ती संख्या पर रोक लगायी जा सके। और आम जनता को भी परेशानी ना हो और ये जीव अच्छे जिन्दगी जी सके सभी नागरिको से हमारी. संस्था की अपील है। कि हमारा इस मुहिम में सहयोग करे

आगजनी कांड : व्यापारियों और सर्व समाज ने टाउन थाना का किया घेराव, सात दिन में कार्रवाई की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में सर्व समाज और व्यापारियों ने एकजुट होकर टाउन थाना का घेराव किया। हाल ही में प्रतिष्ठित व्यापारी राजेंद्र ग्रोवर की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में हुई आगजनी की घटना ने व्यापारियों में आक्रोश भर दिया है। लाखों रुपये के नुकसान के बाद भी दोषियों की गिरफ्तारी न होने से स्थानीय व्यापारिक समुदाय और नागरिकों में असंतोष है।

इस घटना को लेकर प्रदर्शनकारियों ने टाउन थाना परिसर में जोरदार नारेबाजी की और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सात दिनों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आमरण अनशन और उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह घटना मात्र एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। दुकान में आगजनी की इस घटना में न केवल लाखों रुपये मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जलकर नष्ट हो गया, बल्कि इससे शहर में असुरक्षा का माहौल भी बन गया है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते और अपराधियों पर सख्ती बरती जाती, तो इस तरह की घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सड़कों पर उतरकर व्यापक आंदोलन करेंगे।

पांच दिवसीय कृष्ण कथा का आयोजन किया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से ख्याली वाला ,श्रीगंगानगर में पांच दिवसीय कृष्ण कथा का आयोजन किया गया जिसके प्रथम दिवस में सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री दिवेशा भारती जी ने विदुर प्रसंग के माध्यम से बताया कि भगवान भाव के भूखे हैं।उन्हें छल कपट यह सब नहीं भाता। उन्हें तो निर्मल मन वाले प्रिय होते हैं। यह विदुर जी का प्रेम ही था जो

कृष्ण भगवान ने दुर्योधन के 56 प्रकार के व्यंजनों का त्याग करके विदुर जी का साधारण भोजन स्वीकार किया। यह प्रेम ही था, जो श्री राम जी ने शब्दी के झूठे बेरों को भोग लगाया। साध्वी जी ने बताया कि यदि हम ऐसा ही प्रेम प्रभु से करना चाहते हैं तो हमें सर्वप्रथम एक पूर्ण सदुरु चाहिए, जो हमारे अंतरघट में उस प्रेम की प्रतिमूर्ति भगवान श्री कृष्ण को साक्षात हमारे अंत:करण में प्रकट करदे।क्योंकि जब तक हम प्रभु को जान नहीं लेते तब तक हम उनसे प्रेम कर ही नहीं सकते। और ना ही हमारा उन पर विश्वास हो सकता है। और साध्वी सोनिया भारती, रवनीत भारती और आरती भारती जी ने भजनों का गायन कर भक्तों को मंत्र मुग्ध किया।और कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से हुआ।

कांग्रेस एससी ने 3 ई छोटी में बदहाल सफाई व्यवस्था पर जताया आक्रोश

जगह-जगह कचरे के ढेर एवं गंदे पानी से अटी नालियों की दुर्गंध से क्षेत्रवासियों का हुआ जीना दुर्भर: नागर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने 3 ई छोटी में बदहाल सफाई व्यवस्था पर आक्रोश जताया है तथा अविलम्ब सफाई व्यवस्था में सुधार करके क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष राजेश नागर ने कहा कि साधु कॉलोनी, नागौरी कॉलोनी आदि कॉलोनियों में जगह-जगह कचरे के ढेर एवं गंदे पानी से अटी नालियों की दुर्गंध से क्षेत्रवासियों का जीना दुर्भर हो गया है। नालियों का गंदा पानी सडक़ पर एकत्रित हो रहा है तथा इससे जानलेवा बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है।

जिलाध्यक्ष राजेश नागर ने कहा कि 3 ई छोटी में ग्राम पंचायत स्तर पर सफाई का ठेका हुआ है, लेकिन ठेकेदार द्वारा सफाई व्यवस्था सुधारने की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है तथा बिना सफाई किए बिल उठाकर राजकोष को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है एवं जन-जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने जनप्रतिनिधियों तथा सम्बन्धित अधिकारियों से पुरजोर शब्दों में मांग है कि जनहित में इस गंभीर मुद्दे की तरफ ध्यान देकर ठोस कार्यवाही करते हुए जल्द से जल्द साधु कॉलोनी, नागौरी कॉलोनी में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर का उठाव किया जाए एवं गंदे पानी से अटी नालियों की सफाई की जाए तथा नियमित रूप से कचरे के उठाव व नालियों की सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बदबू व दुर्गंध भरे इस नरकीय माहौल से निजात मिल सके। इसके साथ-साथ सफाई कार्य में लापरवाही बरतने के कारण दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग भी की गई है।

विनीता आहूजा को राजस्थान राज्य नेटबॉल संघ का संयुक्त सचिव चुना

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान राज्य नेटबॉल एसोसिएशन की वार्षिक सामान्य सभा और कार्यकारिणी के चुनाव जयपुर के होटल नीलेक्श, 126 राजेंद्र नगर में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। यह चुनाव पूर्व कार्यकारिणी के चार साल के कार्यकाल की समाप्ति के बाद आयोजित किया गया। चुनाव प्रक्रिया प्राय: 11 बजे शुरू हुई, जिसमें संघ के विभिन्न पदों के लिए एक-एक आवेदन प्राप्त होने के कारण चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ। चुनाव परिणाम के अनुसार, प्रदेशाध्यक्ष के रूप में रामगोपाल कटारिया, सचिव के रूप में भंवर लाल शर्मा और कोषाध्यक्ष के रूप में भूपेंद्र कुमार तिवारी को सर्वसम्मति से चुना गया। इन पदों पर निर्विरोध चुनाव यह दर्शाता है कि इन नेताओं के प्रति संघ के सदस्यों में मजबूत विश्वास है और वे आगे भी इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। इसके अलावा, श्री गंगानगर जिला नेटबॉल संघ की अध्यक्ष श्रीमती विनीता आहूजा को राजस्थान राज्य नेटबॉल संघ का संयुक्त सचिव चुना गया। श्रीमती आहूजा की चुनावी जीत से श्री गंगानगर जिले में नेटबॉल के प्रति उत्साह और जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व जिला सचिव डॉ. शेर सिंह और वर्तमान अध्यक्ष हरमंदर सिंह जाखड़ भी मौजूद थे। उन्होंने श्रीमती विनीता आहूजा को बधाई दी और यह घोषणा की कि श्री गंगानगर जिले में श्रीमती आहूजा का भव्य स्वागत किया जाएगा। यह चुनाव संघ के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि चुनावी प्रक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजस्थान राज्य नेटबॉल संघ में एक मजबूत नेतृत्व का निर्माण हो रहा है, जो राज्य में नेटबॉल के खेल को और अधिक बढ़ावा देगा और इसके विकास के लिए काम करेगा।

वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मन मोहा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक का वार्षिकोत्सव चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 23 मार्च, रविवार सायं बालाजी धाम के सामने स्थित विद्यालय प्रांगण में हर्षोल्लासपूर्वक धूमधाम से आयोजित किया गया। विद्यालय व्यवस्थापक सुरेन्द्र चनाणी ने बताया कि धर्म संघ संस्कृत महाविद्यालय के आचार्य कल्याण स्वरूप जी के परम सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, मुख्य वक्ता अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षा एवं संस्कृति बोध परियोजना संयोजक दुर्ग सिंह राजपुरोहित, पुलिस उप महानिरीक्षक गौरव यादव, समाजसेवी महेश पेड़ीवाल, अमरचंद बोरड़ आदि गणमान्य व्यक्तियों द्वारा माँ सरस्वती तथा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया एवं शहीद दिवस पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद राजगुरु व शहीद सुखदेव को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दुर्गा सिंह राजपुरोहित ने कहा कि विद्या भारती वर्ष 1952 में गोरखपुर में एक झोपड़ी में शुरू हुई थी। आज विद्या भारती के संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग 25 हजार विद्यालय संचालित है जिनमें संस्कार युक्त शिक्षा दी जा रही है। मुख्य अतिथि प्रहलाद राय टाक ने कहा कि आदर्श विद्या मंदिर द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। पुलिस उपमहानिरीक्षक गौरव यादव ने कहा कि मैं भी विद्या भारती के विद्यालय का छात्र रहा हूं तथा आज आदर्श विद्या मंदिर में आकर उन्हें सुखद अनुभूति हो रही है। आचार्य कल्याण स्वरूप ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में बहुत शानदार कार्य कर रही है तथा वे स्वयं भी विद्या भारती विद्यालय में पढ़ चुके हैं। प्रधानाचार्य गीता सामंत ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा वर्षभर की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत चौथी कक्षा की छात्रा हस्मिता ने अंग्रेजी में स्वागत भाषण से की। छात्र-छात्राओं ने 'अपनी भारत माता को जग सिरमौर बनाएंगे...' सहित ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया तथा विद्यार्थियों की कला प्रतिभा की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर विजय जिंदल, टीसी तायल, अंकुर गुप्ता, क्रांति चुघ, सहित अभिभावक, आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक स्टाफ सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन खेड़ा को सौंपा ज्ञापन

गोलूवाला (जनमार्ग न्यूज)। दिल्ली कांग्रेस कार्यालय में असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न राज्यों के सैकड़ो कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने भाग लिया । हनुमानगढ़ से प्रदेश सचिव रायपाल प्रजापति मक्कासर, रामस्वरूप भाटी की ओर से अगवाई करते हुए इस अधिवेशन में जिला महासचिव सुरेंद्र मारवाल, किशन पेंटर,प्रदेश सचिव सुरेंद्र खटीक, जिला उपाध्यक्ष ओबीसी कांग्रेस रवि दादरवाल, हनुमानगढ़ के पदाधिकारियों ने राजस्थान मूल ओबीसी की पीड़ा को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन खेड़ा को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नाम से ज्ञापन दिया।ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में कोंग्रेस के प्रतिपक्ष नेता टिकाराम जुली व विद्यायकगणो को अवगत करवाया जाए और उन्हे आग्रह करे कि राजस्थान विधानसभा सदन में सरकार से इस विषय सवाल करे।

श्याम प्रेमियों द्वारा मनाया गया होली मिलन समारोह

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटू श्याम धाम मंदिर सुदामानगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी फागुन मेले की ऐतिहासिक सफलता एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि इस अवसर पर प्राप्त 11:00 बजे से 12:15 बजे तक विशाल भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ। जिसमें भजन प्रवाहक के के शर्मा, दीपांशु शर्मा ,पवन वर्मा, विशाल सोडा ,धीरज जैन ,राजेश कपाड़िया ने बहुत सुंदर-सुंदर भजन सुना कर आए हुए श्रद्धालुंओ को निहाल किया। हर श्रद्धालु एक दूसरे को इस फाल्गुन मेंले की ऐतिहासिक सफलता एवं होली की शुभकामनाएं दे रहा था। इसके उपरांत नवनिर्मित राधे की हवेली में भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई । जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने मिल बैठकर भोजन प्रसाद किया । इस अवसर पर संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता श्री श्याम परिवार मंडल के मुकेश गुप्ता, धीरज जैन, श्री श्याम पैदल यात्रा प्रबंधन समिति के जगदीश कापड़िया ,राजेश कापड़िया श्री श्याम ब्रज मंडल से दीपक शेरेवाला , बालकिशन सिंगल, रविंद्र गुप्ता ,एडवोकेट हितेश मित्तल ,महेश गर्ग एडवोकेट मनीष भारद्वाज, मोनू ,अंकुश व अन्य शहर के गणमान्य व्यक्ति एवं श्याम प्रेमी उपस्थित थे । सभी ने इस भव्य आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा की ।

शेरेवाला ने इस अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा श्याम का यह श्रीगंगानगर धाम दिन प्रतिदिन बाबा श्याम की कृपा से श्याम श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन गया है। जिसमें प्रतिदिन सैकड़ो श्रद्धालु बाबा श्याम के समक्ष शीश नवाते हैं। महीने के चार रविवार और दोनों एकादशी पर भव्य संकीर्तन मंदिर प्रांगण में श्याम श्रद्धालुओं की उपस्थिति में किया जाता है।

शेरेवाला ने सभी से आग्रह किया कि महीने में एक ध्वजा बाबा श्याम को हम घर से बना कर लाएं। और श्रीगंगानगर शहर की उन्नति विकास समृद्धि के लिए बाबा श्याम को अर्पित करें । जिसका आए हुए श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ समर्थन किया।

डेयरी फार्मिंग एवं वार्मिंग कंपोस्ट मेकिंग की जानकारी दी

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी द्वारा डेयरी फार्मिंग एवं वार्मिंग कंपोस्ट मेकिंग की जानकारी प्रदान करने के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका समापन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी निदेशक बिधु शंकर ने की। आरसेटी निदेशक बिधु शंकर ने आरसेटी के विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी प्रदान कर भविष्य में डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण करवाने एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों से आवश्यकतानुसार ऋण आवेदन भरने के लिए अपील की। कार्यक्रम के दौरान पथरी ने प्रशिक्षणार्थियों को डेयरी व्यवसाय में आने वाली विभिन्न परेशानियों को दूर करने के घरेलू वैज्ञानिक उपाय बताने के साथ ही नस्ल सुधार, कृत्रिम घास, पशु रोग निदान के तरीके बताए गए।

नि:शुल्क बवासीर शल्य चिकित्सा शिविर का निदेशक डॉ. पारीक ने अवलोकन किया

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। महावीर इन्टरनेशनल सूरतगढ़ द्वारा आयुर्वेद विभाग के सहयोग से लगाये जा रहे आठवें नि:शुल्क बवासीर (अर्श-भगन्दर) शल्य चिकित्सा शिविर का आज आयुर्वेद विभाग, श्रीगंगानगर के उप निदेशक डॉ. राज कुमार पारीक ने अवलोकन किया। उन्होंने रोगियों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और शिविर की व्यवस्था, साफ-सफाई आदि देखकर संतोष व्यक्त करते हुए महावीर इन्टरनेशनल के सदस्यों सहित समस्त सेवादारों को साधुवाद दिया एवं रोगियों की सेवाओं में दिन-रात लगे समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों व परिचारकों की सराहना की। शिविर प्रभारी डॉ. जितेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आज तक कुल 198 रोगियों की जांच की गयी एवं ऑपरेशन योग्य पाये गये समस्त 51 रोगियों के बीकानेर से पधारे शल्य चिकित्सक डॉ. जयवर्द्धन सिंह राठौड़ और डॉ. हुकमचंद मारू द्वारा अपनी सुयोग्य टीम के साथ सफल ऑपरेशन किये गये। शिविर संयोजक सोहन लाल ढ़ाका ने बताया कि सभी रोगी धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहे हैं। परियोजना निदेशक रमेश शर्मा और विजय सावनसुखा के अनुसार इस दस दिवसीय आवासीय शिविर का मंगलवार 25 मार्च, 2025 को समापन समारोह आयोजित किया जायेगा एवं दसवें दिन 26 मार्च को सभी रोगियों की जांच कर छुट्टी दे दी जायेगी। अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने बताया कि शिविर में परिचारक के रूप में सेवायें दे रहे विजय कुमार के परिवारजनों, रायसिंहनगर निवासी श्रीमती शैली गुप्ता, वीर नीरज डांग के मॉर्निंग ग्रुप द्वारा रोगियों को फल वितरण किया जा रहा है।

तीन दिवसीय पोषण भी, पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय पोषण भी, पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज हुआ । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन दिन तक चला । इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और शिक्षा को सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य ट्रेनर सीडीपीओ सुनीता शर्मा रहीं, जिन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रशिक्षण के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उनके साथ महिला पर्यवेक्षक कमलजीत कौर, रजनी, संतोष खीचड़, पुष्पा रानी ने भी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। सीडीपीओ सुनीता शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत 2 पाठ्यक्रम शुरू किये गए है, जिसमे नवचेतना 0से 3साल के व आधारशिला 3से 6के बच्चों के लिए शुरू किया गया है। 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और शिक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को बताया गया कि कैसे वे अपने आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी प्रारंभिक शिक्षा को भी बेहतर बना सकती हैं।

शहीद दिवस पर निकाली बाईक रैली

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज युवा विंग द्वारा 23 मार्च, रविवार को शहीद दिवस पर बाईक रैली निकाली गई। देव धारीवाल तथा ललित भाटिया के नेतृत्व में बाईक रैली वाल्मीकि बस्ती नजदीक कृष्णा टाकीज से प्रारम्भ होकर शहर के मुख्य-मुख्य मार्गों से होते हुए भगत सिंह चौक पहुंची। पूरे रास्ते कार्यकर्ताओं ने 'जय भीम-जय भारत', 'शहीद-ए-आजम भगत सिंह अमर रहे', 'शहीद राजगुरु अमर रहे' व 'शहीद सुखदेव अमर रहे' के गगनभेदी नारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया। भगत सिंह चौक पर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज युवा विंग कार्यकर्ताओं ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद राजगुरु तथा शहीद सुखदेव को याद किया।

इस अवसर पर देव धारीवाल, ललित भाटिया, समीर वाल्मीकि, देव भाटिया, प्रीत धारीवाल, मोहित शर्मा, युवराज नायक, राघव भाटिया, अमन नायक, निशांत कुमार, कृष कुमार, जीतू भाटिया, मोहित वाल्मीकि, अर्जुन वाल्मीकि, आकाश वाल्मीकि, विकास वाल्मीकि, अमित वाल्मीकि, धीरज वाल्मीकि, सन्नी वाल्मीकि सहित बड़ी संख्या में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज युवा विंग कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस मौके पर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज युवा विंग के देव धारीवाल व ललित भाटिया ने शहीदों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद राजगुरु व शहीद सुखदेव का जीवन हमें देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का संदेश देता है। शहीदों का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही राष्ट्र का सर्वांगीण उत्थान सम्भव है। उन्होंने युवाओं से शहीद-ए-आजम भगत सिंह के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

अग्रवाल समाज समिति का सदस्यता अभियान शुरू

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अग्रवाल समाज समिति हनुमानगढ़ जंक्शन की बैठक रविवार को जंक्शन स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सचिव अमरनाथ सिंगला ने की। बैठक में समाज की मजबूती और सदस्यता संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 1 अप्रैल से 20 अप्रैल तक सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। सचिव अमरनाथ सिंगला ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से समाज के नए लोगों को समिति से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान समाज के संगठन को और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अभियान के दौरान समिति के सदस्य समाज के विभिन्न लोगों से संपर्क कर उन्हें समिति से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। समिति के प्रचार मंत्री गोपाल कृष्ण जिंदल ने बताया कि सदस्यता अभियान में समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने अपील की कि समाज के सभी लोग इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और नए सदस्यों को जोड़कर समिति को मजबूती प्रदान करें। जो भी व्यक्ति समिति का सदस्य बनना चाहता है, वह अग्रवाल समाज समिति हनुमानगढ़ जंक्शन के अग्रसेन भवन में आकर सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

स्थापना दिवस व शहीद दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। वैदिक गुरुकुल कन्या आश्रम, फतूही में स्थापना दिवस एवं शहीद दिवस शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय कुमार गोयल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. ओपी गोयल, रामेश्वर खोथ, कृष्ण मदेरणा, प्रो. रामजीदास पसरीजा, अशोक किंगर, मनीराम सेतिया, विनोद धारनिया, सुशील सहगल व भूप सिहाग थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराज सुखानन्द स्वामी ने की। सर्वप्रथम गुरुकुल कन्या आश्रम की छात्राओं ने ईश्वर भक्ति पर आधरित भजन एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। महाराज सुखानन्द स्वामी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों, शहरवासियों व ग्रामवासियों का स्वागत करते हुए गुरुकुल कन्या आश्रम में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी तथा आश्रम को सहयोग देने वाले दानवीरों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की आजादी में शहीदों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सोहनलाल सिंगाठिया ने गुरुकुल कन्या आश्रम की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए कहा कि आश्रम की बालिकाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन द्वारा श्रीगंगानगर जिले का नाम रोशन किया है। बालिका ज्योति, रचना व गार्गी ने भक्ति गीत 'कौन दिशा में पाऊं तुझको' गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं ने लेजियम, डबल स्तूप निर्माण आदि योगा व्यायाम प्रस्तुतियों द्वारा सबको दांतों तले अंगुली दबाने के लिए मजबूर कर दिया तथा खूब तालियां बटोरी।

शहीदे-ए-आजम भगतसिंह सुखदेव, राजगुरु के शहादत दिवस पर पुष्पाजली अर्पित कर याद किए

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। शहीदे-ए-आजम भगतसह सुखदेव, राजगुरु के 35 वे शहादत दिवस पर भगतसिंह चीक पर भान गरिमामय माहौत में शहीदों के चित्रों पर माला व पुष्पाजली अर्पित कर याद किये गये। वातावरण को शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव अपर रहे के नारो से गुलायमान कर दिया। इस कार्यक्रम में शहर के नागरिक बड़ी सख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक मदन और महावीर भोजर ने अपने सयुक व्यकल में कहा कि देश के नोजवानों व छात्रों के शहिदों को जीवनी को पहनी चाहिए और इनके विचारों को आलसात करके नशाखोरी व दूसरी बुराईयो से बचना चाहिऐ। देश में पूंजीवादी व्यवस्था के चलते निम्न मध्यम वर्ग व गरीबो का जीना मुश्किल हो गया है। देश में सपाज वादी व्गवाथी को मजबूत कर हम शहीदो की इच्छा पूरी कर सकते हैं। विधायक दुगरराम गैदर ने कहा देश में आज

भ्रष्ट्राचार, भूखमरी के चलते आम आद?मी दुखी व हताश है हमे शहीदी के वगरे रास्ता पर चलना चाहीऐ । आज के शानदार कार्यक्रम में -

विभाषक दुगर गदर, 50 विधायक राजेन्द्र भादू, पूर्व विधायक अशोक नागपाल के 50 करमेण भारी शर्मा, बसटी शर्मा कायम छाबडा, 50 प्रधान बिरमादेवी, परसराम भाटीया, लालपहराप भाटीया, 50 000 उपाध्य पवन आँमा, सनीण कुरैशी, लोखनास छावा, किशोर गाबा, महावीर लिवाड़ी राजाराम चांचल भीमजोरी मोनू कालरा, आत्माराम लेहपुरीया, किया सिंह, पीन् बच्चा, भोगेश स्वामी देवेन्द्र शेखावट,

भवानी भोजक रहन सोनी, नरेन्द्र राठी, श्रीकांत सारस्वत, औम सोगानी सुशील गुप्ता लक्षण शर्मा, बड़ी प्रसाद वातानी, संजय भाटी, जय प्रकाश जैन, प्रमोद ज्यानी, अध चरका बीट टेण्डन सुभाष विश्नोई लीलाधर स्वामी, 10 पी. गहलोत, निनोद गोदारी मोहम्मद फैली काही दानश्याम शर्मा, संदीप कासनीया शरता पाल सिह मान गोरत वालाना जय किशन सत्यनारायण श्रीपा, सवाई सिह पुरोएट झण्डा सिंह (जवाहर धीपा धन्याराम स्वामी, करणीराम फिर राज्यर, रवि काँट सहित बड़ी सान्या में नागरिक उपस्थित थे।

चिंतपूर्णी महाकाली दुर्गा मंदिर में पूजा करके धन्यवाद यात्रा रवाना

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। श्री श्याम सखा मंडल व महिला मंडल द्वारा आयोजित 21 दिवसीय श्री श्याम सतरंगी फाग महोत्सव के उपलक्ष में चिंतपूर्णी महाकाली दुर्गा मंदिर में पूजा करके खाटू श्याम के लिए धन्यवाद यात्रा रवाना की गई। मुख्य यजमान पूर्व विधायक अशोक नागपाल, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव बलाना, अध्यक्ष सोनू बवेजा, समाजसेवी लड्डू मुदगल ने विधिवत पूजा अर्चना करके जोत प्रज्वलित कर खाटू श्याम बाबा की धन्यवाद यात्रा को श्री श्याम ध्वजा लहराकर रवाना किया। श्री श्याम सखा मंडल के अध्यक्ष सोनू बवेजा, प्रभारी अशोक भार्गव, सचिव अंकुर लडोइया, सह सचिव अजय कालड़ा, नरेश नागपाल, जॉनी नागपाल, सुभाष सोनी, भरत पुरोहित, मोहित भोजक, सुनील गाबा ने अतिथियों को श्री श्याम नाम का दुपट्टा पहन कर सम्मान प्रतीक देकर के सम्मानित करके आभार प्रकट किया।

सचिव अंकुर लहड़ोइया ने बताया 21 दिवसीय श्री फाग महोत्सव के सफल आयोजन पर श्री श्याम बाबा का धन्यवाद करने के लिए 151 श्री श्याम भक्तों का यात्री दल दो बसों सहित निजी साधनों से खाटू धाम के लिए रवाना हुआ ।

श्री खाटू धाम में शनिवार रात्रि कीर्तन सत्संग के बाद रविवार सुबह श्याम बाबा की आरती करके रिंग्स से डीजे और बैंड बाजों के साथ भव्य निशान यात्रा निकलकर श्री श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर 21 दिवसीय श्री फाग महोत्सव के सफल आयोजन का धन्यवाद किया जाएगा।

स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में सेवाओं पर डॉ संजय जिन्दल का सम्मान

जनमार्ग न्यूज

संगरिया। समाजसेवी डॉ संजय जिन्दल को राजकीय जिला बल्ड सेन्टर की ओर से थैलीसीमिया, हीमोफीलिया एवं स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में निस्स्वार्थ भाव से किये जा रहे योगदान हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला व सम्मान समारोह में सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर कीर्ति शेखावत, राजकीय जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शंकर सोनी, कार्यवाहक जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉक्टर कुलदीप बराड़, राजकीय ब्लड सेन्टर प्रभारी डॉक्टर राजविंद्र कौर, प्रभारी राजेंद्र स्वामी ने रक्तदान शिविरों के आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने पर डॉ संजय जिंदल को सम्मानित किया। विदित है कि डॉक्टर संजय जिंदल गत दस वर्षों से भारत विकास परिषद व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के बैनर के नीचे रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं तथा अनेकों रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन कर चुके हैं।

इस मौके पर डॉ संजय जिन्दल ने कहा कि रक्तदान एक महान पुण्य कार्य है जो हमें दूसरों की जान बचाने का अवसर प्रदान करता है। यह एक निस्वार्थ और सामाजिक कार्य है जो हमें अपने समाज के प्रति जिम्मेदार बनाता है।

सत्संग भवन में लंगर लगाया

श्रीगंगानगर। श्री गुरु अर्जुन दास सत्संग भवन के संस्थापक एवं श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा रविवार को सत्संग भवन में 634 वा लंगर लगाया गया। लंगर में शर्बत युक्त लशी व चने युक्त पुलाव के प्रसाद का श्री रुद्र हनुमान जी को भोग लगाकर वितरण किया गया। समिति द्वारा सेवाएं श्री गुरु अर्जुन दास, हुकुम देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, अनुज मल्होत्रा, पंडित नरेश शर्मा, आशा रानी, सुभाष छाबड़ा, राजेश अंगी, एम डी सतीश, राजरानी, दिया, खुशी, निशा, मीकीं नवनीत मलोट, साहिल, देवेंद्र, संजू, जगतार सिंह, सिद्धू, पूनम, महेंद्र भटेजा व अन्य सदस्यों द्वारा दी गई। सभी ने तन मन से सेवा दी। श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा सत्य को परिभाषित करते हुए कहा गया कि च्सत्य च्यरमज् जो ईश्वर के साथ दिव्य सिद्धांत के रूप में मेल खाता है। जो है, था और हमेशा रहेगा। जो हमेशा से है, ईश्वर का सत्य। वास्तविकता है, कल और आज भी वही है, हां और हमेशा के लिए। अस्तित्व की सत्यताएं शाश्वत है और हमेशा से अस्तित्व में रही है। सत्य मनुष्य की अस्तित्व के मूल में पूर्णता में रहता है, जैसे-जैसे उसकी चेतना यानी जागरूकता का विस्तार होता है, यह शाश्वत सत्य को छूता है। ह्य

भारत विकास परिषद ने भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

जनमार्ग न्यूज

संगरिया। भारत विकास परिषद शाखा संगरिया के सदस्यों ने भगत सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भगत सिंह चौक स्थित शहीद स्मारक पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया और पुष्प अर्पित किए गए। श्रद्धांजलि सभा में सदस्यों ने कहा कि भगत सिंह की वीरता, दृढ़ संकल्प और देशभक्ति की कहानियां आज भी हमारे दिलों में बसी हुई हैं। भगत सिंह जी ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था, जो हमारे लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। आज भगत सिंह जी की पुण्यतिथि पर हमें उनके बलिदान को याद करना चाहिए और उनकी वीरता से प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए और देश की सेवा करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इस मौके पर भारत विकास परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ संजय जिन्दल, शाखा अध्यक्ष आनंद बगड़िया, सचिव लवली गर्ग, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र अरोड़ा, संदीप गोदारा, प्रदीप सिंगला, डॉ भूप वर्मा, राजेंद्र सैन, अरुण वर्मा, प्रकाश रोहिल्ला, अमित बाघला, हरीश शर्मा, पवन सैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

नौजवानों को रोजगार गारंटी ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भगत सिंह चौक पर भगत सिंह की प्रतिमा पर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवाद की स्थापना के लिए आज के दिन शहीद हुए अमर शहीदों का जयघोष किया गया। विद्यार्थियों तथा नौजवानों ने वर्तमान में भगत सिंह के विचारों की प्रासंगिकता के लिए भगत सिंह के नाम पर भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (बनेगा) बनाने की मांग करते हुए कहा कि बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है। इसका समाधान हर एक नौजवान के लिए योग्यता के अनुसार रोजगार गारंटी देने से ही होगा। आज लाखों बेरोजगार नौजवान निराशा में भटक रहे हैं। इसलिए इस समस्या का समाधान कानूनी रूप में सबको रोजगार देकर ही किया जा सकता है। इस सभा को संबोधित करते हुए सरदूल सिंह अध्यापक ने कहा कि भगत सिंह के सपनों का भारत बनाने के लिए वर्तमान में 48 घंटे के सप्ताह को 35 घंटे तथा दैनिक 6 घंटे कानूनी रूप में करना ही भगत सिंह के सपनों का भारत बनाने के लिए बढ़ता हुआ कदम होगा। इससे सभी नौजवानों को रोजगार की गारंटी मिल पाएगी। लखबीर सिंह मान ने कहा कि शिक्षा को व्यापार बनाकर माता-पिता की गाढ़ी कमाई को लूटा जा रहा है। इसलिए हर एक विद्यार्थी के लिए शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए तथा शिक्षा प्राप्त करने के बाद हर एक युवा को रोजगार की गारंटी होनी चाहिए। एटक के नेता भंवर सिंह, रावताराम, नौजवान सभा की ओर से बिट्टू सिंह, किसान नेता वीरपाल सिंह तथा पूनम जनागल में भी सभा को संबोधित किया।

पुलिस का नशा एवं मादक पदार्थों के विरूद्ध 'जीरो टोलरेंस' अनवरत जारी

पीलीबंगा पुलिस ने किया काबु अवैध शराब की तस्करी करने वाले

जनमार्ग न्यूज

पीलीबंगा। अरशद अली पुलिस अधीक्षक जिला हनुमानगढ़ द्वारा जिला मे अवैध मादक पदार्थों, नशा एवं अवैध शराब तस्करी, फायर आर्म्स, जुआ, सट्टा, क्रिकेट-बुक्की व अवैध धन्धों की रोकथाम तथा वांछित एवं फरार अपराधियों की धरपकड हेतु च्जीरो टोलरेंस अभियानज् के तहत समस्त अधिकारीगणो को अपने-अपने क्षेत्राधिकार मे सख्ती से पालना करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था इसी क्रम मे पीलीबंगा पुलिस व डीएसटी ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस थाना पीलीबंगा द्वारा हनुमानगढ रोड़ रोही कस्बा पीलीबंगा से ट्रक रजिस्ट्रेशन नम्बर आरजे 21 जीबी 8037 में भरी 545 पेटियो में कुल 6540 बोतल पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब (रॉयल चैलेन्ज, मैकडॉल नम्बर 01, रॉयल स्टैग) सहित चालक राणाराम पुत्र पाबूराम गोदारा जाट उम्र 53 साल निवासी सिन्धरी के

पास छोटा शक्तिनगर पुलिस थाना सिन्धरी जिला बाडमेर को गिरफ्तार किया है। जब्तशुदा वाहन ट्रक के अन्दर अन्य नम्बर जीजे 09 जेड 2555 नम्बर प्लेट की दो प्लेटें मिली है, जिसके सम्बन्ध में पूछताछ जारी है पुलिस टीम में थाना प्रभारी अशोक कुमार , कांस्टेबल लक्ष्मीनारायण, अमनदीपसिह व विशेष भूमिका कांस्टेबल राकेश रमाणा एवं जिला विशेष टीम सेक्टर हनुमानगढ़ की रही।वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस थाना पीलीबंगा द्वारा भारतमाला रोड़ रोही जाखड़ांवाली से लग्जरी कार डस्टर रजि0 नम्बर ष्ठरु-8-ष्टस्र-1627 में भरी 46 पेटियो में कुल 552 बोतल पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब (रॉयल चैलेन्ज, मैकडॉल नं0 01. ऑल सीजन) सहित मुल्जिम अशोक कुमार एवं एस्कोर्ट कर रही लग्जरी कार सियाज रजि0 नम्बर ल्छु-03- ॥क्र-8629 मय मुल्जिमान महिपाल व कालू सिंह सहित गिरफतार कर प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम में सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, हैड कांस्टेबल सरजीत सिंह , कांस्टेबल राकेश रमाणा व साईबर सैल हनुमानगढ़ की टीम शामिल रही। विशेष भूमिका कांस्टेबल राकेश रमाणा कानि. एवं जिला विशेष टीम सेक्टर हनुमानगढ़ की रही।

पर्यावरण संरक्षण पर स्काउट गाइड ने करवाई चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, जिला हनुमानगढ़ द्वारा नेशनल ग्रीन कौर अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर से स्काउट गाईड्, रोवर और रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता तथा अभिव्यक्ति कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विविध पहलुओं को अपने चित्रों और भाषणों में प्रस्तुत किया। चित्रकला प्रतियोगिता में युवाओं ने प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषण के दुष्प्रभाव, वृक्षारोपण और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उकेरा। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय संकट, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण और सतत विकास पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सीओ स्काउट भारत भूषण ने कहा कि नेशनल ग्रीन कौर अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और विशेष रूप से युवाओं को प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब युवा पीढ़ी इस दिशा में गंभीरता से प्रयास करे।

सीटू ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर सीटू द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा सुबह 7 बजे जंक्शन स्थित भगत सिंह चौक पर संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कामरेडों और आम जनता ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता कामरेड आत्मा सिंह ने की। सभा के दौरान कामरेड बहादुर सिंह चौहान, बसंत सिंह, शेर सिंह शाक्य, रिछपाल सिंह, बी. एस. पेंटर, अशोक कुमार, मुकद्दर अली, मेजर सिंह, हरजी वर्मा, राजकुमार, ललन सिंह, शिबू किसान, राम छिन्दर सिंह, वाली शेर, समीर खान, दारा सिंह, गुरुप्रेम सिंह, राम बाबू और मिथिलेश सहित कई प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को याद करते हुए कहा कि 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। इन महान क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देशवासियों को स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरित किया।

ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगी भीषण आग

- बिजली लाइन से टकराई पराली से भरी ट्रॉली
- ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के केसरीसिंहपुर में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। कमीनपुरा स्थित शुगर मिल के पास गन्ने की पराली से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में रविवार शाम आग लग गई। ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे लगी 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गई। इससे निकली चिंगारी ने पराली को आग के हवाले कर दिया। आग

ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही केसरीसिंहपुर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक ट्रैक्टर-ट्रॉली पूरी तरह जल चुकी थी। गनीमत यह रही कि ड्राइवर और उसका सहयोगी आग लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली से कूद गए। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार गन्ने की पराली की गांठें बनाकर ट्रॉली पर लादकर श्रीगंगानगर की ओर ले जाया जा रहा था। ट्रैक्टर-ट्रॉली न सिर्फ ओवरलोड थी, बल्कि काफी ऊंचाई तक लदी हुई थी। मुख्य सड़क पर हुए इस हादसे के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ और सड़क पर जाम लग गया। मौके पर पहुंचे सीआई बलवंत राम ने बताया कि ट्रैक्टर ड्राइवर और सहयोगी का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ट्रैक्टर मालिक का पता लगाने में जुटी हुई है।

उदाराम चौक से रवि चौक तक फेरो कवर का स्थाई समाधान करवाने की मांग

- सद्भावना मंच जन चेतना सेवा समिति ने नगरपरिषद आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पुरानी आबादी में उदाराम चौक से रवि चौक तक गहरे नाले के ऊपर फेरो कवर का स्थाई समाधान करवाने की मांग को लकर सद्भावना मंच जन चेतना सेवा समिति ने नगरपरिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। समिति के सचिव कृष्णलाल कालड़ा ने बताया कि आयुक्त को दिए ज्ञापन में मांग की गई कि पुरानी आबादी में उदाराम चौक से रवि चौक तक गहरे नाले के ऊपर लगे फेरो कवर टूटे हुए हैं तथा अव्यवस्थित तरीके से लगाए गए हैं, जिसके चलते रोजमर्रा के आवागमन में आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सचिव कालड़ा ने बताया कि पुरानी आबादी के इस मुख्य मार्ग से सुबह-शाम छोटे-छोटे स्कूली बच्चों की बसें ऑटो रिक्शा व अन्य साधनों का आना-जाना नियमित रूप से लगा रहता है। कई बार इस अव्यवस्था के कारण कई वृद्ध व छोटे बच्चों को गिरने के कारण चोट लग चुकी है तथा आने-जाने वाले वाहनों को नुकसान होता हे। ज्ञापन के माध्यम से नगरपरिषद आयुक्त को गहरे नाले के ऊपर फेरो कवर का स्थाई समाधान करने की मांग की गई है। इस दौरान समिति के सदस्य व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

शॉर्ट-सर्किट से कबाड़ की दुकान में आग, लाखों का नुकसान

- फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ में कबाड़ की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे दुकान के बाहर रखा लाखों रुपए का कबाड़ जलकर राख हो गया। घटना घडसाना मंडी के कुपली रोड पर वन विभाग की नर्सरी के सामने स्थित एक कबाड़ की दुकान में सोमवार सुबह की है। दुकान के पास से गुजर रही बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी कबाड़ में गिर गई। आग

लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घडसाना पुलिस और अनूपगढ़ फायर ब्रिगेड को सूचना दी। तब तक लोग पानी के टैंकरों से आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। फायरमैन राजपाल मीना, नरेश कुमार और श्रवण कुमार की टीम ने करीब एक घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान के मालिक रामप्रताप ने बताया कि दुकान के बाहर रखा लाखों रुपए का कबाड़ जलकर राख हो गया।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर में रेलवे ट्रैक के पास रविवार दोपहर एक युवक का शव पड़ा मिला। उसके धड़ से कटकर पैर अलग पड़े हुए थे। ट्रेन से टकराने से वह उछलकर दूर जा गिरा था। जीआरपी थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। जीआरपी थाना पुलिस ने बताया कि गोनेर ओवर ब्रिज के पास एक युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा हुआ था। रेलवे ट्रैक के पास शव पड़े होने की सूचना मिलने पर लोगों की भीड़ लग गई। जीआरपी थाना पुलिस सूचना पर रविवार दोपहर मौके पर पहुंची। रेलवे ट्रैक से करीब 10 फीट की दूरी पर शव दो भागों में कटा हुआ पड़ा था। धड़ से कटक पैर अलग पड़े हुए थे। पुलिस प्रथमदृष्ट्या जांच में सामने आया कि ट्रेन से टकराने से वह उछलकर दूर जाकर गिरा। ट्रेन की टक्कर से ही उसका शव दो टुकडों में बट गया। पुलिस ने मौका-मुआवना कर मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र करीब 35 साल है, जिसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे है।

मारवाड़ी युवा मंच की सर्वसम्मति से कार्यकारिणी नवगठित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मारवाड़ी युवा मंच, श्रीगंगानगर की आमसभा अध्यक्ष विविध बिहाणी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। गगन पथ स्थित होटल में हुई इस आमसभा में सलाहकार सदस्य वेद लखोटिया, एडवोकेट पूर्ण घोड़ेला, राकेश गोयल (मास्टरजी), राकेश (रिंकू) गोयल, गौरव मित्तल, राजकुमार जैन, वर्तमान अध्यक्ष श्री विविध बिहाणी, सचिव हिमांशु अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल मंचासीन थे। अध्यक्ष विविध बिहाणी ने बताया कि आमसभा में विचार-विमर्श के पश्चात् सर्वसम्मति से आगामी सत्र 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में गौरव बिहाणी को अध्यक्ष, शिव सिंगल को सचिव तथा केशव गर्ग को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ-साथ कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अजय गर्ग, रोहित बंसल व सुमित लड्ढा (सीए), संयुक्त सचिव मनीष बाजोरिया व गजेंद्र गोयल, सह कोषाध्यक्ष नीरज बंसल, पीआरओ ऋषभ जैन, खेल मंत्री सुनील गर्ग व अभिषेक मोहता तथा कार्यकारिणी सदस्य राहुल मित्तल, रजत सरावगी, सोनू बंसल, रोहित मित्तल, दीपक अग्रवाल, राघव मालपाणी, हिमांशु अग्रवाल, विवेक गुप्ता, यशवर्धन जैन व अतुल साहूवाला को बनाया गया है।

सब्जी मंडी में मिला नवजात का भ्रूण

जनमार्ग न्यूज

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में नवजात का भ्रूण मिलने का मामला सामने आया है। सब्जी मंडी में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कपड़े में लिपटा भ्रूण देख तुरंत शोर मचाया और पुलिस को सूचित किया। आस-पास के इलाकों में भी पुलिस जांच कर रही है लेकिन भ्रूण फेंक कर गए व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई। थाना डिवीजन नंबर 6 की पुलिस को सब्जी विक्रेता प्रभजीत सिंह ने बताया कि वह कलसियां वाली गली में लगने वाली सब्जी मंडी में काम करता है। वह खाली प्लाट के नजदीक मंडी लगाने की अभी तैयारी कर रहे थे कि तभी उन्होंने ट्रांसफॉर्मर के नजदीक कपड़ों में लिपटा हुआ भ्रूण देखा। आस-पास को लोगों को भी उसने सूचित किया लेकिन भ्रूण किसने फेंका इस बारे पता नहीं चल सका। इलाके के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों को ढूंढना शुरू किया है ताकि भ्रूण फेंकने आए व्यक्ति की पहचान हो सके।

तस्कर 445 ग्राम गांजे के गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नेशनल हाईवे 911 के पास से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान गौरी शंकर उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है। वह गांव 15 ए अनूपगढ़ का रहने वाला है। थाना प्रभारी ईश्वर जांगिड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान एक थ्री व्हीलर चालक पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। 43 वर्षीय आरोपी के पास से 445 ग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही गांजा बिक्री से प्राप्त 4900 रुपए भी मिले। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा सप्लाई का काम करता है। वह अपने गांव से अनूपगढ़ में गांजे की पुड़िया बेचने आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओएचई ब्रेकडाउन से रेल यातायात प्रभावित

- बांद्रा-श्रीगंगानगर ट्रेन का मार्ग बदला

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पश्चिम रेलवे के गेरतपुर-वटवा रेलखंड पर तकनीकी समस्या के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि ओएचई ब्रेकडाउन की वजह से ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। बांद्रा टर्मिनस से श्रीगंगानगर जाने वाली ट्रेन संख्या 14702 का मार्ग बदल दिया गया है। यह ट्रेन 23 मार्च 2025 को बांद्रा टर्मिनस से रवाना होगी। अब यह ट्रेन बड़ौदा, रतलाम, चंदेरिया, अजमेर, फुलेरा और रींगस होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगी।

बाइक पर लगाया ट्रैक्टर का साइलेंसर

जनमार्ग न्यूज

फाजिल्का। फाजिल्का में एक युवक ने अपनी बाइक पर ट्रैक्टर का साइलेंसर लगा दिया। जब वह अरनीवाला इलाके में घूमने निकला तो ट्रैफिक पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस दौरान 1 घंटे में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 ई-चालान किए। वहीं तीन बाइकों को थाने में बंद कर दिया। ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज एएसआई सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आज उनके द्वारा विशेष तौर पर अरनीवाला के इलाके में नाकाबंदी की गई है। लगातार शिकायतें मिल रही थी कि इस इलाके में मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर युवा ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं। वहीं उन्होंने तीन बाइक पकड़ी, जिन्हें थाने में बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान जहां बिना नंबर बाइक पकड़ी गई। वहीं एक बाइक ऐसी पकड़ी, जिसको मॉडिफाई करवाने वाले ने हद कर दी। बाइक पर ट्रैक्टर के रूप में बड़ा साइलेंसर लगाया गया है। इसके खिलाफ भी उनके द्वारा कार्रवाई करते हुए उक्त बाइक को थाने में बंद कर दिया गया और धारा 207 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

लकड़ी और आलू चिप्स के गोदाम में लगी आग

- दो अलग-अलग जगह आगजनी की घटना, सामान जलकर राख

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर में आग लगने की दो घटना सामने आई है। पहली घटना देर रात सांगरिया क्षेत्र की है, यहां लकड़ी के गोदाम में अचानक से आग लग गई। इसके चलते गोदाम में रखा सामान जलकर राख हो गया। दूसरी घटना गंगाना इलाके की है। यहां आलू चिप्स के गोदाम में आग लग गई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी अनुसार- सांगरिया में लकड़ी के गोदाम में देर रात एक बजे के करीब आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल हो गई। आग ने समीप के एक कबाड़ के गोदाम को भी चपेट में ले लिया। वहीं पास में एक अन्य टिंबर में भी आग लग गई। इसके चलते फायर ब्रिगेड की टीमों को

आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की सूचना मिलने के बाद बासनी, रीको बोरानाडा, नागौरी गेट, शास्त्री नगर फायर स्टेशन की दमकलों ने आग पर काबू पाया। टीमों को आग बुझाने में करीब पांच घंटे लगे। फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह चौहान ने बताया दूसरी घटना गंगाना फाटक के पास आज सुबह आलू चिप्स के गोदाम में अचानक से आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर बासनी फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर रवाना हुई। वहीं अन्य फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भी बुलाया गया।

हिंदू नववर्ष पर राजस्थान दिवस महोत्सव की धूम

- प्रदेशभर में होंगे अनेक कार्यक्रम

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च को राजस्थान दिवस के मौके पर राज्य सरकार वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप 25 से 31 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएंगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित महिला सम्मेलन से होगा। वहीं 26 मार्च को किसान सम्मेलन एवं एफ.पी.ओ. कार्यक्रम के मुख्य समारोह का आयोजन बीकानेर में तथा 27 मार्च को गरीब एवं अन्त्योदय का मुख्य कार्यक्रम भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 28 मार्च को सुशासन समारोह का आयोजन भीलवाड़ा में एवं 29 मार्च को युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन कोटा में होगा। राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 30 मार्च को एवं राज्य स्तरीय

निवेश उत्सव 31 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के माध्यम से लाड़ो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों एवं विभिन्न महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटॉप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण सहित कई सौगातें दी जाएंगी। इसी तरह किसान सम्मेलन के तहत किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तांतरण के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। गरीब और अन्त्योदय समारोह के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी, डेयरी बूथ अलॉटमेंट, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण एवं विद्युत चालित चाक का वितरण सहित विभिन्न सौगातें दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। वहीं सुशासन समारोह के तहत प्रदेश की जनता को विभिन्न कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण की भी सौगात दी जाएगी।

आवारा कुत्ते का आतंक, 8 बच्चों पर हमला

जनमार्ग न्यूज

चूरू। चूरू के तारानगर क्षेत्र के गांव गाजुवास में आवारा कुत्ते ने खेल रहे बच्चों पर हमला कर दिया। इस हादसे में आठ बच्चे घायल हुए। दो बच्चों को गंभीर चोट के कारण चूरू के डीबी अस्पताल में रेफर किया गया। घटना रविवार शाम की है। गाजुवास गडाणा के आठ बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान गली में घूम रहे कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। बच्चों के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाया। घायल बच्चों में 10 वर्षीय आइना मेघवाल और 9 वर्षीय प्रतिक्षा को सिर, आंख और पीठ पर गंभीर चोटें आई। परिजन सभी घायल बच्चों को निजी वाहन से तारानगर के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद आइना और प्रतिक्षा को चूरू के डीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, तारानगर क्षेत्र के गांवों में पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक है।

दो मासूमों को लेकर कुंड में कूदी मां

जनमार्ग न्यूज

चूरू। पारिवारिक कलह के चलते एक विवाहिता अपने दो बच्चों को लेकर कुंड में कूद गई। डूबने से दोनों बच्चों की मौत हो गई। जबकि विवाहिता को परिजनों ने कुंड से सुरक्षित निकाल लिया। घटना की सूचना मिलने पर रतनगढ़ पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। घटना चूरू की रतनगढ़ तहसील के गांव मैणासर में रविवार को हुई। रतनगढ थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि मैणासर निवासी मोहम्मद खालिद (23) ने रिपोर्ट दी कि वह और उसका बड़ा भाई मोमीन एक ही घर में साथ-साथ रहते हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे उसकी भाभी नरगिस (28) अपनी 3 साल की बेटी अलीशपा और 1 साल के बेटे इबरार को लेकर घर में बने कुंड में कूद गई। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और तीनों को कुंड से

बाहर निकाला। तीनों को निजी वाहन से जालान अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने अलीशपा व इबरार को मृत घोषित कर दिया। जबकि नरगिस इलाज शुरू किया। थानाधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक कलह का होना सामने आया है। 5 साल पहले नरगिस को मोमीन की शादी हुई थी। मोमीन के उत्तरप्रदेश के रहने वाले थे। मगर काफी सालों से यहीं रहते हैं। इनका यहीं पर घर बना हुआ हैं। मोमीन मैणासर में रेडिमेड कपड़ों की दुकान चलाता है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692